Chapter 1 – त्यौहार का दिन

आज बुंदेलखंड में ग्यास मतलब देवउठनी एकादशी का त्यौहार है। मयन जो सिर्फ 10 साल का है, अपने परिवार के साथ त्यौहार मना रहा है। सभी लोग अपने अपने घरों में पूजन की तैयारी में लगे हुए हैं जिसमें भगवान विष्णु और देवी तुलसी जी की पूजा की जाती है।

बुंदेलखंड में इस त्यौहार का बहुत ही महत्व है क्युकी लोग मानते हैं कि इस दिन भगवान विष्णु अपनी निद्रा से जागते हैं और उनकी स्तुति करने से लोगो के घरों में सुख समृद्धि आती है, साथ ही ये समय रबी की फसलो को बोने का भी है जिनकी सुरक्षा और अच्छी पैदावार के लिए ही सब लोग भगवान की पूजा अर्चना करते हैं।

पूजा की शुरुआत भगवान विष्णु और देवी तुलसी के पावन चरणों में साग सब्जी, हरी दूब, जंगली बेर,फल, मिठाई और पकवानो को अर्पित करके होती है। इसके बाद भगवान जी की मूर्ति के चारो तरफ गन्ने की दीवार बना दी जाती है जिसके चारो ओर घर के सभी पुरुष आयु के अनुसार परिक्रमा करते हुए हाथ में जौ के दाने भी अर्पित करते हुए चलते हैं, साथ में 'हर हर बोले ' की पवित्र ध्वनि भी उच्चारित करते हैं। परिक्रमा करने के बाद पूजा का समापन शंखनाद से होता है।

मयन के परिवार में मयन के मम्मी पापा, दादा दादी और और उसकी छोटी बहन मीरा हैं । मयन त्यौहार की खुशियों में मगन, पूजा ख़त्म होते ही लजीज पकवानो को आनंद लेता है और मीरा को भी खिलाता है। दोनों बच्चों को पकवान खाते देख मम्मी पापा बहुत खुश होते हैं। पर उस समय मयन के मम्मी पापा को ये नहीं पता था की उनकी ख़ुशी को किसी की नजर लगने वाली है।

मयन पकवान खाकर घर से बाहर निकल जाता है और देखता है की सब लोग परंपरा के अनुसार काँसे की सूखी घास को जलाकर अपने पैरो के नीचे से घुमाकर निकाल रहे हैं और मनोरंजन भी कर रहे है।

सबको मजे लेते देख मयन भी उनकी तरह घास का एक पूरा लेकर आग लगाकर पैरो के नीचे से निकालने की असफल कोशिश करता है और अपने पैर जला बैठता है। दर्द से वो चिल्ला उठता है, सब उसको बचाने दौड़ पड़ते हैं और उसके मम्मी पापा भी पहुंच जाते हैं।

मयन को घायल देखकर उसकी मम्मी परेशान होकर जल्दी से उसकी मरहम पट्टी करती है, और साथ ही मयन को खूब डांट फटकार भी लगाती है कि उसने बिना पूछे आग का खेल क्यों खेला। मयन पहले ही जला हुआ था और डांट सुनकर और ज्यादा दुखी हो जाता है और आँखों में आंसू आ जाते हैं। मयन को दुखी देखकर उसकी बहन मीरा भी दुखी हो जाती है।

मयन के पापा उसको एक चॉकलेट देकर कहते हैं कि दुखी मत हो बेटा, बड़ी सी जिंदगी में छोटी छोटी बाते तो होती रहती हैं । और मयन की दादी उसको एक कहानी सुनाकर सुला देती हैं ।

तभी कुछ भयंकर धड़ धड़ धडाम की आवजें सुनकर मयन की आँख खुल जाती है और वह घबराकर अपने बिस्तर से उठा जाता है, खिड़की से बाहर झाँक कर देखता है कि सभी लोग इधर उधर भाग रहे है, हर तरफ बस अफरा तफरी का माहौल है।

मयन को यह समझते देर नहीं लगती कि हो न हो कोई मुसीबत आना पड़ी है इसीलिए सब लोग बचाओ बचाओ की आवाजें लगाते हुए अपने अपने परिवार के साथ इकट्ठे होकर मदद का इंतज़ार कर रहे हैं। मयन परेशान होकर घर में मम्मी मम्मी पापा पापा कहते हुए उनको ढूंढने लगता है पर परिवार का एक भी सदस्य उसे नज़र नहीं आता, मानो वो सब कही गायब हो गए हों।

मयन जल्दी से घर की छत पर जाकर देखता है --' आसमान में हलकी चांदनी रौशनी के साथ बड़े बड़े अंतरिक्ष यान दिखाई दे रहे हैं, और जिनसे बहुत तेज़ रोशनी निकल

रही है और वे सब लगातार खतरनाक मिसाइलें दाग रहे हैं, जिनसे हर तरफ सिर्फ तबाही ही तबाही नज़र हो रही है। सभी लोग डरे हुए हैं... और चीक पुकार मची हुयी है।

मयन ये भयावह नज़ारा देखकर डर के मारे काँपने लगता है लेकिन तभी उसे अपने पापा की समझायी हुयी बात याद आती है कि -- बेटा जिंदगी में कितनी भी बड़ी मुश्किलों का सामना क्यों न करना पड़े कभी डरना नहीं और न ही घबराना। तब जाकर मयन कुछ साहस जुटाता है और निडर होकर आसमान की तरफ देखता है।

मयन ध्यान से देखता है तो पता चलता है कि आकाश में कुछ अंतरिक्ष यानो से लाल रंग की लेज़र और मिसाइले निकल रही हैं जबकि कुछ यानो से नीली रोशनी के साथ लेज़र निकल रही हैं। वह भ्रमित हो जाता है कि ऐसा कैसे हो रहा है। साथ ही वह ये भी देखता है कि लाल और नीली रोशनी वाले यानो में आपस में लड़ाई चल रही है, फिर उसे समझ में आता है.. कि शायद दोनों दुश्मन यान हैं और लड़ते लड़ते उसके शहर में आ पहुचे हैं।

इसके पहले कि उसे कुछ और समझ आता, उसके सामने एक नीली रोशनी वाला यान 'सूँ...... ऊँ...' की आवाज़ करता हुआ आकर रुकता है... फिर उसमे से बाहर की तरफ एक दरवाजा खुलता है जिससे सीढियाँ निकलती है। फिर कुछ हरे रंग के अजीब से दिखने वाले दो लोग बाहर निकलते हैं, साथ में उसके मोहल्ले के एक 40 वर्ष के सैनी अंकल भी आते हैं जिसे मयन पहचानता है।

सैनी अंकल को देखकर मयन राहत भरी सांस लेता है और दौड़कर उनसे लिपट जाता है, और इसके पहले कि सैनी अंकल कुछ कहते, वह उनसे कहता है---" अंकल अंकल, ये सब क्या हो रहा है, सब लोग क्यों भाग रहे हैं, आप इस यान में कैसे आये, मेरे मम्मी पापा कहाँ गए हैं और ये हरे हरे से अजीब लोग कौन हैं "..... और बीच में ही सैनी अंकल बोलते हैं कि,--"बस बस बेटा परेशान मत हो, सब बताता हूं, पहले यान के अंदर चलो क्योंकि बाहर बहुत खतरा है। "

मयन और सैनी अंकल के साथ वो दो अजीब से लोग भी उनके साथ यान में अंदर चढ़ जाते हैं, और यान धीमी गति से होकर शुरू होता और ऊपर आसमान में तेज़ी से उड़ जाता है।

....

Chapter 2- डायना, मिराकश और यान

यान में सवार मयन तब तक सवाल पूछता रहा जब तक सैनी अंकल ने उसके सवालों के जवाब नहीं दे दिए।

सैनी अंकल ने बताया कि बेटा हम धरतीवासियों पर हमला हुआ है, यह सुनकर मयन चौंक कर कहता है कि - मुझे लगा ही था कि किसी दुश्मन ने लड़ाई शुरू कर दी है । मयन आगे पूछता है कि अंकल वो कौन लोग हैं जिन्होंने हम पर हमला किया है। सैनी अंकल कहते हैं - मयन बेटा मै तुम्हे सब विस्तार से बताता हूं। मयन कहता है ठीक है अंकल।

सैनी अंकल बताते हैं कि हमारे सौरमण्डल से बाहर बहुत दूर एक ग्रह है जिसका नाम 'डायना' है, और वहां बहुत ही ख़तरनाक एलियन्स रहते हैं जिन्हे हम लोग 'डायनीज़ 'कहते हैं ।

डायनीज़ लोग बहुत ही बुरे और भयानक सोच के जीव हैं क्योंकि वो लोग समस्त ब्रह्माण्ड पर अपना अधिकार करना चाहते हैं जिसमें बहुत सी आकाशगंगाएं, सौरमण्डल, तारा समूह, ग्रह उपग्रह और न जाने क्या क्या मौजूद है। और इसीलिए वे लोग हर उस ग्रह पर आक्रमण कर रहे हैं जँहा पर दूसरी प्रजाति के जीव और प्राणी निवास कर रहे हैं। आज हमारी धरती के हर शहर पर इन निकृष्ट डायनीजों ने तबाही मचाना शुरू कर दिया है।

मयन पूछता है - तो फिर अपने देश की सेनाओं ने उन पर जबाबी हमला क्यों नहीं किया ? अंकल बताते हैं - "हमारी सेनाओं ने भी जबाब में फायरिंग की थी, बम फोड़े, मिसाइले चलायी पर डायनीज़ो के अतिआधुनिक अंतरिक्ष यानो के सामने ज्यादा देर तक न टिक सकी।

मयन कहता है - "अंकल हम लोग जिस अंतरिक्ष यान में बैठे हैं, ये कँहा से आया है और हम सब कँहा जा रहे हैं ? "

सैनी अंकल बताते हैं -" मयन बेटा, ये अंतरिक्ष यान ' मिराकश ' ग्रह से आया है और ऐसे कई यान और भी आये हैं जो हम सबको खोज खोज कर बचा रहे है। ये जो अजीब से हरे हरे लोग तुम

देख रहे हो ना, ये वही 'मिराकशी 'लोग हैं जो मिराकश ग्रह से आये हैं। "

मयन -" अंकल, ये लोग हम लोगो को क्यों बचाने आये हैं? "

अंकल - " बेटा, मिराकशी लोग अच्छे स्वभाव के हैं और बुरे डायनीज़ जीवो से लड़ रहे हैं ताकि अच्छे लोगो को बचाया जा सके। "

मयन -" अंकल, मिराकशी लोगों को कैसे पता चला कि धरती वासी खतरे में हैं? "

अंकल -" मिराकशी लोग बहुत सालों से डायनीज़ लोगों से लड़ाई कर रहे हैं, तबसे जबसे डायनीज़ लोगों की बुरी मानसिकता का उन्हें पता चल गया कि ये लोग तो पूरे ब्रह्माण्ड पर कब्ज़ा करना चाहते हैं। "

मयन कुछ देर तक यान में उपस्थित मिराकशी लोगों को देखता है और मुस्कुराकर उनको कहता है - ' हमें बचाने के लिए थैंक्यू अंकल "।

वो लोग भी मयन को मुस्कुराकर जवाब देते हैं - कोई बात नहीं बेटा, ये हमारा फर्ज़ भी है और काम भी "।

मयन - " अरे वाह, ये लोग तो अपनी हिंदी भाषा भी जानते हैं और बोलते भी हैं ! " अंकल बताते हैं कि मिराकशी लोग बहुत विकसित हैं, डायनीजों से अगर कोई टक्कर ले सकता है तो सिर्फ यही लोग हैं ।

मयन काफ़ी देर तक मिराकशियों के शरीर की बनावट को देख कर उनमे और मनुष्यों के शरीर में क्या अंतर है, तलाश करता है। वो देखता है कि उनके शरीर मनुष्यों से अधिक लम्बे, नाक छोटी,कान लम्बे, दाढ़ी नुकीली, सर पर बाल नहीं और शरीर का रंग हरा है।

इसी बीच मयन को अपने परिवार की ध्यान आ जाती है तो वह अंकल से पूछता है कि मेरे मम्मी पापा और बहन कहाँ हैं, दादा दादी भी नहीं दिखाई दे रहे हैं ।

अंकल - " मयन बेटा मैं तुम्हें यह बताना नहीं चाह रहा था पर कब तक छुपा सकता हूं।

मयन ने घबराकर कहा - क्या मतलब अंकल ! मेरे मम्मी पापा कहाँ हैं, आप बताते क्यों नहीं ?और इतना कहकर उसकी आँखें भर आती हैं। और उसका भावुक होना लाज़मी भी है, आखिर 10 साल का ही तो है अभी !

अंकल - " मयन बेटा, सब्र रखो, तुम जल्द ही अपने परिवार से मिल सकोगे, बस शर्त ये है कि तब तक तुमको और हम सबको धीरज से काम लेना है और मन मजबूत करना है क्योंकि, जो लोग मिल नहीं रहे हैं, वो या तो डायनीज़ लोगो के कब्ज़े में हैं या फिर हमारी तरह किसी दूसरे मिराकशी यान में सफर कर रहे हैं। तो हो सकता है तुम्हारे मम्मी पापा भी किसी दूसरे यान में हो और भगवान न करे वो लोग डायनीज़ लोगों के कब्ज़े में हों ।

मयन घबराकर पूछता है कि अगर मेरा परिवार डायनीज़ो के कब्ज़े में हुआ तब क्या होगा अंकल ?

अंकल -" बेटा, अगर ऐसा हुआ तो....." इतने में वंहा उपस्थित एक मिराकशी ने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो हम लोग जल्द ही उन लोगों को डायनीज़ों के कब्ज़े से रिहा करा लेगे और पास में किसी सुरक्षित ग्रह पर छोड़ आएंगे ।

मयन ने इतना ही सुना था कि वह ताली बजाने लगता है और कहता है कि आप लोग कितने अच्छे हो - काश डायना ग्रह वासी भी आपलोगों कि तरह होते तो कितना अच्छा होता ।

इतने में उनके रास्ते में एक समस्या आना खड़ी होती है, और वह समस्या कुछ और नहीं, एक डायनीज़ यान था.... जो मयन के यान पर लेज़र्स और मिसाइलों से हमला बोल देता है... सब लोग घबरा जाते हैं पर मयन कहता है कि...हमें मिराकशी यान और यान के पायलट पर पूरा भरोसा है... वो हम सब को जरूर बचा लेंगे।

मयन ने इतना कहते ही दोनो यान में भयंकर युद्ध शुरू हो जाता है । डायनीज़ यान से निकलती लाल लेज़र लगातार मिराकश के Miraq-62 पर हमलावार थी लेकिन Miraq-62 का एंटी लेजर सिस्टम भी कमाल का होता है जो हर तरह के वार को निष्क्रिय कर रहा था.. परेशान होकर डायनीज़ Danz-15 यान को मिसाइल अटैक करना पड़ा जिसमें Miraq-62 ने अपना बचाव करना उचित समझा और चकमक देकर उसके ऊपर से उड़ गया । पर समस्या अभी भी खत्म नहीं हुई क्योंकि Danz-15 यान पीछा कर रहा था।

इतने संघर्ष को देखकर मयन को अपने ‘ एलियन शूटर ‘ वीडियो गेम की ध्यान आ जाती है और वह सैनी अंकल से इस बात का जिक्र भी करता है।

वह बताता है कि जब दुश्मन का यान पीछे ही पड़ गया हो तो उससे सामने से नहीं बल्कि पीछे से ही लड़ना चाहिए । अंकल ने चौंक कर मयन की तरफ देखा और कहा कि ये भी भला हो सकता है क्या?

मयन ने उत्तेजित होकर जवाब दिया कि हां अंकल बिलकुल हो सकता है । अंकल ने कहा - जरा समझाओ तो सही तुम अपने गेम में कैसे एलियन्स के यान को शूट करते हो ।

मयन ने कहा कि जब कोई यान ज्यादा ताकतवर और टेक्नोलॉजी वाला हो तो उससे सामने से न टकराकर उस पर वार करके भाग जाओ, फिर जब वह पीछा करने आये तो अपने यान की मिसाइलों का एंगल पीछे कि तरफ मोड़कर कई मिसाइलें और बम एक साथ छोड़ दो जो पीछे आ रहे यान पर टकरा जाएँ ताकि पीछे वाले यान को बचने का कोई मौका ही न मिले और हम उससे जीत जायेंगे ।

मयन का प्लान सुनकर यान के सदस्य भी उत्साहित हो जाते हैं और ऐसा ही करते हैं। देखते ही देखते Danz-15 यान के टुकड़े हो जाते हैं...। यह नज़ारा देखकर मयन बहुत खुश होता है और सभी लोग मयन को धन्यवाद कहते हैं ।

इस तरह मयन अपनी सूझ बुझ से खुद की और बाकी लोगो को बचा लेता है ।

....

Chapter 3 - मेरे मम्मी पापा कहाँ हैं?

Miraq-62 लगातार धरती से दूर अपने सफर पर आगे ही उड़ता जा रहा था और इस तरह वे लोग सौरमण्डल से बाहर उड़ गए थे और सुरक्षित भी महसूस कर रहे थे।

मयन को अभी भी अपने परिवार की चिंता सताए जा रही थी। वह किसी न किसी बहाने अपने मम्मी पापा के बारे में पूछता रहता पर किसी के पास कोई संतोषजनक उत्तर नहीं था । कोई कह रहा था कि शायद वो लोग भी दूसरे यान से जा रहे होंगे... तो कोई कहता कि डायनीज़ के कब्ज़े में होंगे । सबकी बाते सुनकर मयन अधीर हो उठा था ।

किसी तरह मयन खुद को शांत किये हुए था और कभी कभी तो उसकी आँखें भर आती पर अफ़सोस शिवाय इंतज़ार के और कोई चारा भी तो नहीं था ।

तब मयन ने सोचा कि अगर उसके मम्मी पापा किसी दूसरे यान में होंगे तो वे जरूर मयन को याद कर रहे होंगे, और हो सकता है मेरे नाम से किसी बच्चे को खोजा भी जा रहा हो । इतना सोचते ही उसने सैनी अंकल से कहा कि वो मेरे नाम को रेडियो तकनीक के माध्यम से दूसरे मिराकशी यानों को भेज दें ताकि जिस यान में उसके नाम की खोजबीन चल रही होगी वो अपने आप ही उससे संपर्क कर लेंगे और इस तरह उसके परिवार से उसका संपर्क भी हो सकेगा ।

सैनी अंकल को मयन की बात समझ आ गई और उन्होंने यान के कप्तान से ऐसा करने को कहा..। कप्तान ने भी ऐसा ही किया तो पाया कि Miraq-53 यान से मयन नाम के बच्चे की खो जाने की जानकारी दी गई है।

इतना सुनते ही मयन की ख़ुशी का ठिकाना न रहा, वह उछलने लगा और सैनी अंकल से लिपटकर उनको थैंक्यू भी कहा । अंकल मुस्कुराते

हुए उसके सर हाथ फेरते हैं और कहते हैं, अब तो परेशानी की कोई बात नहीं है न।

मयन ने कहा कि क्या मेरे मम्मी पापा से मेरी बात हो सकती है । तो कप्तान ने कहा- “ क्यों नहीं, ज़रूर हो सकती है ।

और कप्तान ने अपने स्टाफ से Miraq-53 यान को ऑडियो कॉल कनेक्ट करने को कहा । कॉल करके यह जानकारी दी गयी कि जिस बच्चे को खोजबीन की लिस्ट में रखा गया था, जिसका नाम मयन है, वह उनके यान में मौजूद है ।

Miraq-53 से जवाब आता है कि मयन के परिवार वाले भी वहाँ मयन के न होने से बहुत बेचैन थे। और फिर मयन से बात करने को कहा जाता है।

मयन कहता है -“ मम्मी... “ और उधर से आवाज़ आती है-“ बेटा” । इतना सुनते ही उसकी आँखों से ख़ुशी के आंसू फूट पड़ते हैं मानो वह कबसे यह सुनने को बेचैन था ।

मयन ने कहा मम्मी पापा आप लोग मुझे छोड़कर कैसे पहुँच गए दूसरे यान में तो मम्मी ने कहा कि बेटा तुम जल्दी सो गए थे और जब डायनीज़ लोगो ने अपने शहर पर हमला किया तो हम सब लोग तुम्हे सोता छोड़कर बाहर चले गए देखने और देखा कि आसमान में बहुत बड़े बड़े यान घूम रहे हैं.।

सब लोग बहुत डर गए थे, इतने में यह यान हमारे पास आकर रुका और उसमे हमसे चढने को कहा, तो हम लोगो ने पूछा कि तुम लोग कौन हो और हम क्यों जाए तुम्हारे साथ तब इन लोगों ने कहा कि हम लोग तुम सबको बचाने आये हैं हमारे पास ज्यादा समय नही है क्योंकि कोई न कोई डायनीज़ यान आता ही होगा जो हम पर हमला कर देगा।

चारो तरफ तबाही का मंजर देखकर हमें इनकी बात पर विश्वास करना पड़ा, तब मैंने कहा मेरा मयन तो घर के अंदर है, हम लोग उसको लिए बिना नहीं जायेंगे। तो मिराकशी लोगों ने भरोसा दिलाया कि दूसरे यान में वो लोग मयन को लेकर आ जायेगे। तभी मैंने एक यान को आप अपने छत पर रुकते हुए देखा तो मुझे विश्वास हो गया कि मयन उसमे जरूर आ जायेगा और हम लोग यान में चढ़ गए ।

मयन ने कहा कि कोई बात नहीं मम्मी मै भी दूसरे यान में आ गया हूं... अब हम लोग जल्दी ही किसी सुरक्षित जगह पर मिलेंगे। पापा से कहना कि उनकी बातो ने मुझे निडर और सहसी बनाये रखा। और फिर ऑडियो कॉल समाप्त कर दी जाती है ।

मयन अब खुश और शांति भरे मन से सबको देख रहा था। इतने में उसे यान की खिड़की से कोई चमकीली वस्तु नज़र आती है । तो वह सैनी अंकल से पूछता है कि वह क्या चीज है, तब अंकल कहते हैं कि बेटा वो दूर कही टूटता हुआ तारा है जिसे सुपरनोवा कहा जाता है । जब कोई तारा अपनी आयु पूरी कर लेता है तो उसकी ऊर्जा प्रकाश ऊर्जा के रूप में सारे ब्रह्माण्ड में दूर दूर तक बिखर जाती है।

तमाम चमकीली, सरपिलाकर, अंडाकार आकाशगंगाओं को देखकर मयन को आश्चर्य की अनुभूति होती है । वह अनायास ही कह उठता है कि ब्रह्माण्ड तो सोच से भी ज्यादा रोचक और रहस्यमयी है ।

इस तरह से मयन अपनी यात्रा में तमाम तरह के तारे ग्रह उपग्रह,उल्कापिंड, क्षुद्र ग्रह आदि को देखता हुआ एक नये ग्रह पर पहुँचता है जो मिराकशी लोगों का मित्र ग्रह है और वंहा के लोग मिराकश के डायनीज़ विरोधी अभियान में भी पूरा साथ दे रहे हैं ।

इस नये ग्रह का नाम 'रायना ' है जो डायना ग्रह का धुर विरोधी ग्रह है। रायना ग्रह पर भी कभी बहुत विकसित सभ्यता हुआ करती थी, लेकिन उसको डायनीज़ लोगों की नज़र लग गई और उन्होंने उन पर हमला कर दिया था जिससे वहाँ की सभ्यता को बहुत नुकसान पहुंचा। और तब रायना ग्रह के लोगों कि मिराकश ग्रह के लोगों ने मदद की तब जाकर वो लोग फिर से सुरक्षित होकर रह रहे हैं और मिराकशियों के मित्र भी बन गए हैं ।

चूँकि मिराकश अभी बहुत दूर है, इसलिए धरती से जितने लोगो को बचाकर लाया जा रहा है, उन सबको रायना ग्रह पर ही ठहराया जा रहा है, ताकि वही यान फिर से किसी दूसरे परिवारों को बचाकर ला सके।

और इस तरह धरती से आये सभी यानो से लोग बाहर निकलते हैं और एक हॉल में इकट्ठे किये जाते हैं। वंहा पर सबसे पहले घायल लोगो को अलग करके अस्पताल भेजा जाता है और फिर खोये परिवारों को मिलवाया जा रहा था।

जब मयन का नाम बुलाया जाता है तो मयन और उसके परिवार वाले स्टेज पर पहुंच जाते हैं और एक दूसरे से मिल जाते हैं।

मयन जाकर अपनी मम्मी से लिपट जाता है, उसकी मम्मी भी उसको गले से लगाकर उसका माथा चुम कर कहती हैं कि बेटा तुम ठीक तो हो न । तुम्हे नहीं पता कि हम सब तुम्हारे न होने से कितने परेशान थे । मयन कहता है कि मम्मी अब चिंता की कोई बात नहीं । हम सब फिर से एक साथ हैं ना।

मयन-“ पापा...” कहते हुए उनकी ओर बढ़ता है... तो उसके पापा उसको हवा में उछालकर कहते हैं कि मेरा बहादुर बेटा मयन !

....

Chapter 4- मयन तो अभी बच्चा है

धरती से आये लोग काफी परेशानी और मुसीबत झेल कर रायना ग्रह पर पहुंचे थे इसलिए उनके खाने पीने और आराम की व्यवस्था पहले से ही वहाँ की जा चुकी होती है ।

सबके साथ मयन भी अपने परिवार के साथ एक ऊँची ईमारत के एक कमरे में ठहरता है जहां पर दादा दादी, उसके मम्मी पापा और बहन मीरा आराम करने लगते हैं, लेकिन मयन का मन बेचैन ही था क्योंकि

उसके मन में लगातार वही दृश्य चल रहे थे जो उसने धरती पर डायनीज़ लोगों द्वारा मचाई गयी तबाही के देखे थे ।

मयन सोच रहा था कि अगर उसे भी मौका मिलता तो वह भी अपने ही जैसे कितने ही लोगों को धरती से बचाने यान से जाता और डायनीज़ यानो की धज़्जियाँ उड़ा देता ।

इतने में मयन कि मम्मी की आवाज़ आती है -- "बेटा कुछ खाना कहा लो और ज्यादा मत सोचो, सब कुछ जल्दी ठीक हो जायेगा और हम लोग फिर से अपने घर भी जायेंगे ।"

मम्मी की सकारात्मक बाते सुनकर मयन को कुछ बेहतर महसूस हुआ । फिर उसने रायनीज़ भोजन को चखा जो उसे बहुत अच्छा लगा और मन भर खाया । खाना खाते ही उसे थकान के कारण गहरी नींद आ गयी और वह काफी देर तक सोता रहा ।

अगले दिन धरतीवासियों को एक पार्क में इकठ्ठा किया गया जँहा पर एक सभा आयोजित की गई थी । सभा की अध्यक्षता रायना के सुपर नेता लोगो के द्वारा की गयी।

सभा करने का मुख्य विषय था कि - ‘ डायनीज़ लोगों का धरती से खात्मा कैसे किया जाए “।

सभा में मयन भी अपने परिवार के साथ पहुंचा हुआ था, और सभी के विचारों को बड़े ध्यान से सुन रहा था ।

सभा में जब बहादुरी और बुद्धिमानी की बात की गई तो मयन की चर्चा भी की गयी कि कैसे उसने डायनीज़ यान को ध्वस्त करवा दिया । सभी ने मयन की बुद्धिमानी की सराहना की और तालियाँ भी बजायी।

मयन अपनी तारीफ सुनकर और भी उत्साहित हो गया था और जब उसे स्पीच देने के लिए बुलाया गया तो उसने सबसे पहले एक ही बात कही -- डर के आगे जीत है, और हम लोग किसी से नहीं डरते , चाहे वो डायना हो या और कोई ख़तरनाक प्रजाति । “ उसने कहा कि अब जब हम सब एक हैं तो ब्रह्माण्ड की कोई ताकत नहीं जो हम लोगो को झुका सके । “

मयन के साहस भरे भाषण सुनकर सब लोग एक नये जोश और उमंग से भर गये ।

मयन कि बात सुनकर सब लोग अति प्रसन्न हुए साथ ही मिशन पर आगे विस्तृत चर्चा भी की गयी और रुपरेखा भी बनायी गयी, जिसके अनुसार योग्य और नये साहसी लोगो का चुनाव किया जाना था, जो लोग अंतरिक्ष के इस खतरनाक अभियान में अपना योगदान देना चाहते हों ।

सभा में कुछ नये युवा पुरुष महिला सिपाहियों को नामित किया गया और उन सबको एक एक करके बुलाया जाता है और उनसे इस अभियान में सम्पूर्ण मानसिक सहमति ली जाती है और अभियान के प्रति पूरी लगन और कर्त्तव्यनिष्ठा रखते हुए कार्य करने की शपथ भी ली जाती है ।

इसी बीच मयन ने भी आग्रह किया कि उसको भी अपनी सेवा और सहयोग करने का मौका दिया जाए । तब सबने चौक कर उसकी तरफ देखा कि एक 10 साल का बच्चा, इस ख़तरों से भरे अभियान में कैसे सहयोग कर सकता है।

तब मयन से पूछा गया कि वह किस प्रकार से सहयोग करना चाहता है।

मयन -" मै धरती के लोगों को बचाने के लिए miraq-62 यान के साथ जाकर उनको बचाऊँगा और जरुरत पड़ने पर डायनीज़ यानो से भी लड़ूंगा और उनको हरा दूंगा । "

रायनीज़ लीडर - " अच्छा बेटा, तुम्हे तो यान उड़ाने और उसकी कार्य प्रणाली के बारे में कुछ पता नहीं है, फिर कैसे तुम अपना सहयोग करोगे और कैसे डायनीज़ यानो से लड़ोगे ? "

मयन - " अंकल, मैंने एलियन शूटर वीडियो गेम खेल रखा है, और उस गेम में, मैं कई एलियन यानो को एक साथ मार गिराता हूं , और इस बात का अहसास मुझे तब हुआ जब मैं Miraq-62 यान में धरती से आ रहा था और एक डायनीज़ यान Danz-15 को मार गिराने में मैंने युक्ति सुझाई थी । इसलिए मुझे पूरा विश्वाश है कि मै उन यानो से लड़ सकता हूं ।"

रायनीज़ लीडर -" अच्छा बेटा, युक्ति के साथ तुम्हे मिराकशी यान की कार्य प्रणाली का बहुत ही अच्छा ज्ञान होना भी अति आवश्यक है, जिसे सीखने समझने में अभी तुम्हारी शारीरिक और मानसिक अवस्था बहुत कम है। "

अपने लीडर की बातो का कई मिराकशी और रायनीज़ लोगों ने समर्थन किया कि 10 साल के बच्चे की जान जोखिम में नहीं डाली जा सकती चाहे वह कितना ही प्रतिभाशाली क्यों ना हो ।

तब मयन थोड़ा मायूस हो गया और अपनी जगह जाकर बैठ गया । मयन का परिवार भी उसको इस छोटी उम्र में खतरनाक मिशन पर नहीं भेजना चाह रहे थे , तो सब परिवार वाले मयन को समझने लगते हैं कि निराश मत हो बेटा, अभी तुम्हारी सारी उम्र पड़ी है, बड़े होकर तुम जो सहयोग करना चाहो कर सकते हो ।

यह सब नज़ारा सैनी अंकल देख भी रहे थे और सोच रहे थे कि मयन जैसा आत्म विश्वाश से भरा साहसी और बुद्धिमान लड़का कह तो सही रहा है पर उसकी उम्र के हिसाब से बाकि लोग भी अपनी जगह सही हैं ।

तब सैनी अंकल ने सभा में अपनी बात रखी और कहा कि क्यों न मयन को अभी से मिराकशी यानो को उड़ाने और उनके फाइटिंग स्ट्रेटेजी की ट्रेनिंग दीं जाए ताकि कुछ ही महीनों में वह मिशन पर जाने की योग्यता अर्जित कर अपनी सेवाये देने में सक्षम हो सकेगा ।और अगर मयन जब तक अपनी ट्रेनिंग पूरी नहीं कर लेगा, मै भी उसको मिशन पर भेजनें के पक्ष में नहीं हूं ।

सैनी अंकल की बात से कुछ लोग सहमत दिखाई दिए और उन्होंने मयन की समुचित ट्रेनिंग शुरू करवाने का प्रस्ताव भी रखा जिस पर मयन ने भी खुश होकर अपनी सहमति जताई ।

सभा समाप्त होती है 15 दिन के बाद मयन की औपचारिक ट्रेनिंग शुरू करने का प्रस्ताव पास हो जाता है ।

..................................।................................

Chapter 5 - सारसिन ,जारसिन और लोरानो

अगले दिन, मयन रायनीज़ बच्चों से मिलता है और अपने पापा को बताकर उनके साथ घूमने निकल जाता है।

क्योंकि उसकी ट्रेनिंग शुरू होने में अभी काफी दिनों का समय है तो उसने सोचा क्यों न तब तक रायना ग्रह की जिस जगह नियारा पर वह रुके हैं, वहाँ घूमकर सब कुछ देखा और परखा जाए ।

एक अजीब सा रायनीज़ प्राणी जिसकी एक लम्बी सी चोंच है और उसका आकर लगभग एक शुतुरमुर्ग जैसा है, भागता चला जा रहा है और उसके पीछे उसके जैसे और भी जीव भागे चले जा रहे हैं।

मयन को यह देखकर कौतूहल लगा और उनको देखने के लिए वह भी उनके पीछे पीछे भागने लगा। तो वहाँ मौजूद बच्चों ने मयन को रोका और कहा कि उनके पीछे मत जाओ, वो जीव अभी एक दूसरे से लड़ते हुए गुस्से में एक दूसरे के पीछे भाग रहे हैं।

मयन -“ वो कौन से प्राणी हैं? “ मयन के सवाल के जवाब में वहाँ का एक बच्चा बोला ।

रायनी बच्चा -“ वो सारसिन जीवधारी हैं। और वे बहुत ही गुस्सैल स्वाभाव के रायनीज़ प्राणी हैं । अगर एक बार गुस्से में आ जाए तो अपने आस पास के सभी सारसिन जीवो से लड़ाई करना शुरू कर देते हैं

। और अपने पुरे जोश में आने पर ये लम्बी लम्बी छलांगों के साथ कई किलोमीटर की दूरी कुछ ही सेकण्ड्स में तय कर सकते हैं ।“

मयन -“ ओ...., अच्छा ये सारसिन्स हैं ! “ तब तो इनसे बचकर रहना पड़ेगा ।

रायनीज़ बच्चे ने हाँ में जवाब दिया। उस बच्चे का नाम जिरान होता है जिससे मयन बात कर रहा होता है।

मयन ने आगे पूछा कि सारसिन्स हम लोगों के लिए भी खतरनाक हैं क्या ?

जिरान - “ वैसे तो सारसिन्स स्वाभाव से मृदुल होते हैं बस इनकी एक ही कमजोरी है, इनकी गुस्सा । और गुस्से में ये किसी को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं । लेकिन सामान्यत: ये हम लोगों से लगाव रखते हैं और हमें नुकसान नहीं पहुंचाते, जब तक कि इन्हे हमसे कोई खतरा न हो। “

मयन -“” क्या हम लोग इनसे दोस्ती कर सकते हैं ? “

जिरान -“ बिलकुल कर सकते हैं , लेकिन सारसिन सबके दोस्त नहीं बनते, और जिसके एक बार दोस्त बन जाते हैं, उनसे जिंदगी भर के लिए दोस्ती भी निभाते हैं । हां एक बात और भी है कि एक सारसिन से सिर्फ एक ही इंसान, रायनीज़ या मिराकशी दोस्ती कर सकता है , फिर ये और किसी से नियंत्रित नहीं होते । ताउम्र के लिए उसी से जुड़ जाते हैं और अपने दोस्त को ये अपनी सवारी भी करने देते हैं । सब लोग कहते हैं इनकी सवारी करना बड़ी बहादुरी और रोमांच की बात होती है ।“

मयन -“ अच्छा जिरान, तो क्या तुमने भी किसी सारसिन से दोस्ती की है? “

जिरान -“ हां कोशिश तो की थी पर असफल रहा ! “

मयन -“ ऐसा क्यों? “

जिरान - “ क्योंकि, सारसिन जल्दी किसी पर विश्वाश नहीं करते, मतलब इनका विश्वाश जीतना किसी पहाड़ चढने से कम नहीं है । “

मयन -“ कोई बात नहीं, प्रयास करने में क्या जाता है । तुम ये बताओ इन जीवो को क्या खाना पसंद है ?”

जिरान - “ सारसिन्स का प्रिय भोजन लोरानो फल है, जो झील किनारे के घने जंगलों में ही पाया जाता है। “

मयन - तो चलो एक काम करते हैं , लोरानो फलों को तोडकर हम लोग ले आते हैं और सिरासिन्स को लोरानो फल खिलायेगे तो हो सकता है कोई सिरासिन हम पर विश्वाश करने लगे और हो सकता है दोस्त भी बन जाये ।

जिरान - तुम्हे क्या लगता है, ये हम लोग ने नहीं सोचा होगा क्या ?

मयन - तो तुम लाये लोरानो फल?

जिरान - अरे कहाँ यार, ये इतना आसान होता तो अब तक मै किसी सिरासिन की सवारी कर रहा होता ।

मयन - तो समस्या क्या है फिर, ये तो बताओ ।

जिरान बताता है कि समस्या ये है कि जँहा लोरानो फल पाया जाता है वह जगह बहुत ही खतरों से भरी पड़ी है ।

मयन - वो क्यों?

जिरान - " वो इसलिए, क्योंकि उन घने जंगलों में सारसिन्स जैसे ही दूसरी प्रजाति के भयानक जीव रहते हैं जिन्हे जारसिन कहते हैं और उन पेड़ों पर उन्ही का अधिकार है । सारसिन्स तो कभी कभार गुस्सा करते हैं , लेकिन जारसिंस लड़ाकू स्वभाव वाले हैं जो किसी को अपने पास आना पसंद नहीं करते और कोई उनके पास जाता है तो उन पर हमला बोल देते हैं । उनकी बस एक अच्छी आदत है कि वो अपने क्षेत्र घने जंगलों को छोड़कर अन्य जगह भ्रमण नहीं करते, इसलिए सामान्य रूप से उनसे किसी को खतरा नहीं है । पर उनके सामने से लोरानो फल लाना भी किसी चुनौती से कम नही है । "

मयन को आखिरकार समझ आ जाता है कि आखिर सारसिन से भी दोस्ती करना कितना कठिन है , पर कठिन कार्यों को करना मानो उसकी फितरत में है।

और मयन लोरानो फल तोड़ने की मन ही मन में थान लेता है, और कोई उपाय खोजने लगता है जिससे लोरानो फल लाये जा सकें।

इधर काफी देर तक मयन अपने परिवार के पास नहीं पहुँचा होता है तो उसके मम्मी पापा को चिंता होने लगती है । और उसको ढूंढने भवन से बाहर निकल आते हैं । पर तब तक वो देखते हैं कि मयन भी उन्ही की तरफ चला आ रहा है, तब जाकर उन लोगों के चेहरे से चिंता की रेखाएं गायब होती हैं।

मयन अपने दोस्त जिरान से कहता है कि वो जल्द ही कोई उपाय खोजेगा और उन जंगलों से लोरानो फल लेने चलेगा । जिरान भी उसकी बातो से प्रभावित हो जाता है और उसका साथ देने की बात कहता है, तो मयन कहता है कि ठीक है,अब मै जाता हूं, कल हम लोग चलेंगे । और मयन बाय बोलकर अपने मम्मी पापा के पास आ जाता है ।

मयन के पापा उससे पूछते हैं कि वो इतनी देर कहाँ था, तब वह बताता है कि जिरान जो अब मेरा रायनीज़ दोस्त है, उसके साथ घूमने गया था और उस पहाड़ी के पास सारसिन जीवो को देखा जो बहुत तेज़ भाग रहे थे ।

उसके पापा ने कहा कि तुम बहुत दूर मत जाया करो क्योंकि ये जगह हमारे लिए बिलकुल नयी है और हमें इसके बारे में कुछ पता नहीं है।

मयन कहता है पापा मै आपकी बात ध्यान रखूँगा और किसी भी खतरे से खुद को दूर रखूँगा । और बात करते हुए मयन अपने मम्मी पापा के साथ अपनी ईमारत में चला जाता है, जँहा वो लोग ठहरे हुए थे ।

मयन रात में काफी देर तक यही सोचता रहा कि वह आखिर लोरानो फल कैसे लायेगा और अब तो उसने पापा को भी कह दिया है कि वह ऐसी जगह नहीं जाएगा जहां खतरा हो।

और यही सोचते सोचते वह सो गया ...।

....।.................

Chapter 6 - साहस की प्रतियोगिता

अगले दिन -

मयन पार्क में खेलने पहुँचता है और वंहा पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें नियारा के बच्चों कि प्रतियोगिता थी। प्रतियोगिता में दौड़, तर्कशक्ति और साहस की परीक्षा आयोजित की गयी थी। मयन ने तर्कशक्ति और साहस की प्रतियोगिता में अपना नाम दर्ज कराया ।

प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को एक बॉक्स में से एक एक परची उठाना था, और उस परची में जो लिखा हो वही करके दिखाना पड़ेगा । मयन बहुत उत्साहित होता है कि काश उसकी परची में लोरानो फल लाने का साहसी काम लिखा हो । और सब बच्चे जो 10 से 15 साल तक के थे, परचियाँ उठाते हैं । किसी कि परची में गीत संगीत, तो किसी की परची में नाच दिखाना लिखा था, किसी को तैर कर दिखाना था तो किसी को ऊँचाई पर चढ़ना था, और तभी जिरान और मयन भी अपनी अपनी परची खोलते हैं।

मयन की परची में किसी एक प्रतिभागी की मदद करके उसके काम को पूरा करवाना लिखा था, और जिरान की परची में लिखा था कि उसे अपना साहसी काम चुनने की छूट है ।

तब मयन और जिरान आपस में बात करते हैं कि अब क्या किया जाए, तभी मयन के दिमाग़ में एक तरकीब सूझती है जिससे लोरानो फल भी आ सकता है, और सारसिन को दोस्त भी बनाया जा सकता है ।

मयन ने जिरान से कहा - " तुम प्रतियोगी कमेटी से लोरानो फल लाने का साहसी काम करने को कहो और मै तुम्हारे काम में मदद करंगा ।
जिरान - " ये तो अच्छी तरकीब है लोरानो फल लाने की, और हमें ऐसा करने से कोई रोक भी नहीं पायेगा, प्रतियोगिता के नियम के अनुसार ! पर ? "

मयन - पर क्या ?

जीरान - तुम्हारे पिताजी ने मना कर दिया तो?

मयन - बात तो सही है तुम्हारी लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता क्योंकि मेरे पापा मुझे साहस दिखाने से पहले ही प्रतियोगिता छोड़ने को नहीं कहेगे ।

और जब मयन ने अपने पापा से बात की तो उन्होंने कहा - बेटा इसमें बड़ा ही जोखिम है । मेरा मन तुम्हे उन घने जंगलों में जाने देने का नहीं कर रहा ।

मयन अपने पापा को भरोसा दिलाता है कि वह सुरक्षित वापस लौटेगा और किसी भी तरह की मुसीबत मोल नहीं लेगा।

मयन के पापा उसकी पीठ थपथपाकर उसे सफल होकर वापस लौटने को कहते हैं ।

अब मयन और जिरान दोनों जखूरा के घने जंगलों की तरफ बढ़ते हैं।

जल्दी ही दोनों जंगल के पास पहुँच जाते और रूककर बाते करने लगते हैं कि आखिर कैसे जिरासिन जीवो से निपटा जाएगा ।

तभी मयन कहता है कि इतना आसान होता तो अब तक सब लोग लोरानो फल लाकर अपनी बहादुरी साबित कर चुके होते ।

जिरान कहता है कि चलो आगे बढ़ते हैं, और लोरानो फल लेकर ही वापस लौटेंगे। दोनों घने जंगल में प्रवेश कर जाते हैं । अभी आगे बढे ही थे कि जिरान एक दलदल में धंस जाता है । ये एक नयी समस्या खड़ी हो गयी थी जिसके बारे में उन दोनों को पता नहीं था ।

जिरान को फंसा देखकर मयन वही रुक जाता है और देखता है कि जिरान जितनी कोशिश करता है , उतना ही अंदर फंसता जाता है और घबराकार चिल्लाने लगता है - "मयन.. मुझे यहां से जल्दी बाहर निकालो वरना ये दलदल मुझे जिन्दा निगल लेगा "

मयन -" चिंता मत करो, मै कुछ करता हूं... तुम घबराओ नहीं और अपने हाथ पैर भी मत चलाओ क्योंकि मै देख रहा हूं तुम जितना परेशान होकर अपने हाथ पैर चला रहे हो, उतने ही अंदर फसते जा रहे हो। "

जिरान - ठीक है, मै स्थिर हो जाता हूं, लेकिन जल्दी कुछ करो, मै कमर तक धंस चुका हूं , मेरे पास ज्यादा समय नहीं है मयन ....।

मयन सोचता है कि अगर मै भी बचाने दलदल के अंदर गया तो मैं भी फस जाऊंगा और फिर हम दोनों को बचाने वाला यहां कोई नहीं है ।

मयन इधर उधर देखने लगता है, तभी उसे एक लंबी सूखी लकड़ी दिखाई पडती है और वह उसे उठा लेता है और उसे जिरान कि तरफ फेकता है । जिरान झट से उसे पकड़ लेता है और, मयन उसे लकड़ी के सहारे बाहर की तरफ खींचने लगता है।

जिरान लगभग बाहर आ ही चुका था लेकिन ये क्या.....वो लकड़ी इतनी सुखी और कमजोर थी कि टूट गयी और जिरान तेजी से दलदल के अंदर जा गिरा ।

जिरान निराश होकर फिर से चिल्लाने लगता है, मयन जल्दी से कोई दूसरी लकड़ी खोजकर लाओ, तो मयन झट से एक और लकड़ी खोज कर लाता है लेकिन इस बार लकड़ी की लम्बाई कम पड़ जाती है ।

तब मयन समझ जाता है कि बिना मजबूत चीज़ के जिरान को बाहर नहीं निकाला जा सकता है । तब वह भागकर इधर उधर देखने लगता तो उसे एक पेड़ पर हरी बेल दिखाई देती है जो काफी बड़ी और मजबूत लग रही थी। वह उसे जोर से खींचता है पर वह नहीं टूटती, मतलब बेल काफ़ी मजबूत थी। अब समस्या ये थी कि उसे काटा कैसे जाय तो उसे एक नुकीला पत्थर दिखाई देता है और उसके जोरदार प्रहारों से आखिर कार वह उचित लम्बाई की बेल तोड़ लाता है ।

मयन जिरान के पास पहुँचता है तो देखता है कि जिरान गले तक दलदल के कीचड़ में धंस चुका है और उसकी आँखों में अपनी जान खोने का डर साफ दिखाई दे रहा था ।

मयन को देखते ही जिरान चिल्लाता है कि जल्दी करो, मुझे बचाओ......

मयन कहता है ये लो पकड़ो इसे... और उस हरी बेल को उसकी तरफ फेकता है... लेकिन जिरान के हाथ इतने डूब चुके थे कि वह उस बेल को पकड़ने में असमर्थ था ।

तब मयन उससे कहता है कि मैं बेल को इस तरह फेंकूगा कि तुम्हारे मुँह के पास जा गिरे और तुम अपने दांतो से कसकर पकड़ लेना, फिर मैं धीरे धीरे तुमको खीचूंगा और जैसे ही तुम्हारे हाथ बाहर आ जायेंगे तो हाथों से बेल को पकड़ लेना,.....

मयन ने जैसा कहा जिरान ने वैसा ही किया और देखते ही देखते वह जिरान को उस भयानक दलदल से बाहर निकाल लेता है ।

जिरान बाहर निकलते ही... ज़मीन पर बेसुध सा होकर गिर पड़ता है, क्योंकि उसने दलदल से संघर्ष करते करते अपनी काफ़ी ऊर्जा व्यय कर दी थी ।

मयन भी जिरान को बाहर निकल कर राहत भारी सांस लेते हैं, तभी जिरान कहता है कि अगर आज मै न निकल पता तो क्या ही हो जाता..... मेरे मम्मी पापा क्या सोचते.... बीच में ही मयन बोल पड़ता

है और कहता है कि अरे जिरान भाई.... जब तक मै तुम्हारे साथ हूं और तुम मेरे साथ हो, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता ....

और दोनों ठहाके मारकर हसने लगते हैं।

....

Chapter 7 - पीले फल का नशा

अब दोनों दलदल से बचते हुए आगे की ओर बढ़ते हैं। अब दोनों ज्यादा सतर्क और सावधान होकर आगे बढ़ रहे थे । तब दोनों को भूख भी लगने लगती है।

मयन को एक पेड़ दिखाई देता है जिसमें पीले रंग के अंडाकार आकृति वाले फल लगे हुए थे । मयन उनको देखकर आकर्षित हो जाता है और जाकर एक फल तोडकर कहा खाने लगता है।

तभी जिरान आकर कहता है कि ये क्या किया मयन?

मयन कहता है कि क्यों क्या हुआ जिरान

जिरान - तुमने बिना सोचे समझे यह फल क्यों कहा लिया?

मयन - क्यों इसमें सोचना क्या, ये फल बहुत ही मीठा और भूख मिटाने वाला है.. लो एक फल तुम भी खाओ और अपनी भूख मिटाओ।

जिरान - नहीं मयन, ये जंगल इतना खतरनाक है कि इसकी किसी भी वस्तु पर मुझे बिलकुल भरोसा नहीं।

मयन कहता है कोई बात नहीं अब आगे चलते हैं

जिरान कहता है कि ठीक है चलो ।

तब जिरान कहता है कि ये बताओ मयन, हमें कैसे पता चलेगा कि कौन सा फल लोरानो फल है??

मयन - हा बात तो सही है!

जिरान - क्या पता जो फल तुमने खाया है अभी, यही लोरानो फल हो!

मयन - नहीं ये नहीं हो सकता ! क्योंकि जैसा तुमने बताया था कि लोरानो फलों के आस पास जिराशिन्स जीवो का कब्ज़ा है और लोरानो फलों को आसानी से तोड़ा जा सकता, उस हिसाब से इन ये फल लोरानो के नहीं हो सकते।

जिरान - बिलकुल ठीक कहते हो मयन, मुझे तुम्हारी बुद्धिमानी पर कोई शक नहीं रहा !

मयन - तो चलो लोरानो पेड़ खोजते हैं!

जिरान - लेकिन वहाँ हमें जीरासिन जीव भी तो मिलेंगे, उनसे कैसे बचेंगे ।

मयन कहता है कि हां कोई न कोई रास्ता हम जरूर निकाल लेंगे, इतना कहा ही था कि मयन लड़खड़ाने लगता है और कहता है कि जिरान अब मुझसे आगे नहीं चला जाएगा, क्योंकि मेरा सर बहुत तेज़ चकरा रहा है, मन कर रहा है यहीं सो जाऊं। यह कहते हुए वही बैठ जाता है ।

जिरान सोचता है कि अचानक से मयन को क्या हो गया है, अभी तो बिलकुल ठीक ठाक था, इसको चक्कर कैसे आने लगे। उसको समझते देर नहीं लगती कि हो न हो इसकी वजह वह पीले मीठे फल ही हैं क्योंकि मयन ने कुछ देर पहले ही उनको खाया है।

मयन बैठा बैठा वही सर पकड़कर लेट जाता है।

जिरान कहता है मयन तुमने जो पीला फल खाया है न उसी का नशीला असर तुम पर हुआ है और हमें ये नहीं नहीं पता कि ये नशा कितना ख़तरनाक हो सकता है। तुम हिम्मत रखो और एक बात का ध्यान रखना कि कितनी भी नींद आये, बिलकुल मत सोना।

मयन कहता है ठीक है।

जिरान कहता है मै तुम्हे ठीक करने का कोई उपाय खोजता हूं। जिरान इधर उधर कोई ऐसा फल, फूल, पत्ती या जड़ी बूटी खोजने लगता है जिससे मयन ठीक हो सके क्योंकि जिरान को एक विशेष पत्ती वाला

पौधा पता था जिसकी पत्तियों के रस को पिलाने से कैसा भी नशा हो उसका असर कुछ देर में कम होने लगता है और व्यक्ति बिलकुल चेतना में आ जाता है...।

जिरान को भाग्य से एक पौधा मिल भी जाता है जिसकी पत्तियों को तोड़कर वह मयन के पास ले आता है।

वह देखता है कि पीले फल का असर काफी बढ़ चुका था।

जिरान जल्दी से उन पत्तियों के रस को निचोड़कर मयन के मुँह में कुछ बूँदे डालता है, और इंतज़ार करने लगता है।

कुछ देर बाद मयन उठकर बैठ जाता है , और जिरान को वह धन्यवाद देता है और कहता है - कि उसको जिरान की बात मान लेनी चाहिए थी और उस फल को नहीं खाना चाहिए था ।

तब जिरान कहता है कोई बात नहीं मयन, मुश्किलों से ही तो हम सीखते हैं ।

तभी मयन को एक उपाय भी सूझता है और वह कहता है --- अरे वाह !

जिरान कहता है क्या हुआ मयन,!

मयन कहता है कि मुझे तर्कब मिल गयी है कि हम लोग कैसे जीरासिन जीवो को बेवकूफ बनाकर लोरानो फलो को ले जा सकते हैं ।

जिरान कहता है वो कैसे, जरा विस्तार में समझाओ मयन ।

मयन कहता है कि को फल अभी मैंने गलती से कहाँ लिया था, यही फल हम जीरासिन जीवो को खिला देंगे और वो जब नशे में हो जायेगे तो हम लोग उनके सामने से लोरानो फल तोड़ कर ले जा सकते हैं ।

जिरान कहता है तरकीब तो अच्छी पर हम लोग उन जीवो को पीले फल खिलाएंगे कैसे ?

मयन कहता है कि ज़ब हमें पता चलेगा कि आस पास जिरासिन जीव हैं तो इसका मतलब वहाँ जो भी फलों के पेड़ होंगे वो लोरानो के ही होंगे , तो हम पास के पेड़ों पर ये पीले फल लेकर चढ़ जायेंगे और उन चुपचाप उन जीवो के आने का इंतज़ार करेंगे । जैसे ही कोई जीव हमारे पेड़ के नीचे आएगा हम एक पीला फल नीचे टपका देंगे जिसको देखकर वो जीव उसे कहा लेगा ।

अब जैसे ही वो फल खायेगा... तुम भी जानते हो कुछ देर बाद उसे नशा हो जायेगा और वही बैठकर सोने लगेगा। और उसी पेड़ से लोरानो फल तोड़कर बड़े ही आसानी से इस जंगल से निकल जायेगे ।

जिरान मयन की बुद्धिमानी को देखकर चकित हुआ और खुश भी।

जिरान कहता है बहुत अच्छे मयन - हम ऐसा ही करेंगे।

तब जिरान कहता है कि मैं फलों के साथ उस पौधे की पत्तियां भी साथ ले लेता हूं जिससे वो जिरासिन जीव नशे से मुक्त हो सकेंगे ।

मयन कहता है, ये तो और भी अच्छी बात है, हमें फल भी मिल जायेगे और न ही हमें कोई नुक्सान होगा और ना की किसी जिरासिन जीव को....।

फिर मयन और जिरान दोनों थोड़े फल और नशा मुक्ति वाली पत्तियाँ लेकर आगे की ओर सावधानी से बढ़ते हैं ।

अब वे लोग जंगल के बीचो बीच आ चुके थे और पास ही
झर झर करते हुए पानी गिरने की आवजें भी आ रही थी जोकि पास ही एक झील से आ रहा था ।

पानी की आवाज सुनकर जिरान कहता है - मयन अब और सावधान हो जाओ क्योंकि पानी कि आवाज से लगता है झील पास ही है और मैंने सुना है लोरानो के फल झील के पास ही पाए जाते हैं जिनके आस पास जिरासिन जीव भी जरूर होंगे ।

मयन कहता है ठीक है जिरान ।

अब दोनों पानी कि आवाज़ के पास बढ़ने लगते हैं और एक ऊंची जगह पर चढ़कर देखते हैं कि नीली रंग की झील दिखाई दे रही है जिसके पास वो पेड़ भी लगे हैं जिन पर लड़े बड़े बड़े कटहल नुमा फलों को साफ देखा जा सकता था जो लाल रंग के थे । पर वहाँ कोई खतरनाक जीव नहीं दिख रहा था ।

तब जिरान कहता है चलो मयन यही सही मौका है.... इससे पहले कि अंधेरा हो जाए हम लोरानो फल लेकर यहां से निकल जाते हैं ।

मयन - ठीक है, चलो चलते हैं पर क्या पता पेड़ों के पास जाने पर जिराशिन्स आ धमके इसलिए सतर्क होकर उन पेड़ों पर चढ़ना है ।

अब दोनों पेड़ों के पास जाने लगते है पर ये क्या अभी पेड़ के आस पास उन्हें कुछ जीव आते दिखाई देते हैं जो ‘ हूं..... हूँ... हों... हों....’ की खतरनाक आवजें निकाल रहे थे । उनकी लाल लाल भयानक आँखे थी और लम्बे नुकीले डांट थे । उनकी आकृति कुछ कुछ सिरासिन जैसी ही थी।

जैसे ही मयन और जिरान की नज़र उन पर पडती है.. मयन और जिरान सावधान होकर वही खड़े रह जाते हैं और उन जीवो की प्रतिक्रिया देखने लगते हैं

मयन कहता है इससे पहले कि वो जीव हमें देख ले हम पास के पेड़ों पर चढ़ जाते हैं, लेकिन ये क्या...... जिराशिन्स उन दोनों को पेड़ पर

चढ़ता हुआ देख लेते हैं, देखकर जिरासिन भड़क जाते हैं और जोर से चिल्लाते हुए दोनों पर हमला करने के उद्देश्य से उनकी ओर बढ़ते हैं।

जिरान कहता है, मयन वो आ रहे हैं.. जल्दी से ऊपर चढ़ जाओ, और दोनों पेड़ पर चढ़ जाते हैं। जैसे ही वो जीव पेड़ के नीचे पहुँचते हैं मयन और जिरान वो पीले फल नीचे टपकाने लगते हैं ।

कई सारे फलों को देखकर जीरासिन जीव उन फलों को कहा लेते हैं और धीरे धीरे उनका गुस्सा ठंडा पड़ने लगता है । और नीचे बैठ सो जाते हैं।

तब मयन और जिरान समझ जाते हैं कि अब सही समय है लोरानो फल तोड़कर यंहा से निकलने का ।

दोनों एक एक लोरानो फल को तोड़ते हैं क्योंकि वो फल काफ़ी बड़े बड़े थे ।

अब पेड़ से नीचे उतरकर दोनों उन जीवो के मुँह में वो पत्तियों का रस निचोड़कर डाल कर उनके जागने से पहले वंहा से निकल जाते हैं और तेज कदमो से जिस रास्ते से आये थे, उसी से वापस लौटने लगते हैं ।

अंधेरा होने से पहले ही दोनों उस जखूरा के जंगल से बाहर आ जाते हैं और समय रहते लोरानो फलों के साथ प्रतियोगिता स्थल पर भी पहुंच जाते हैं जहां उन दोनों के परिवार वाले भी उनका बड़ी बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे ।

दोनों को देखकर सब लोग बहुत खुश होते हैं और गौरव महसूस करते हैं क्योंकि उन दोनों ने वो कर दिखाया था जो सिर्फ बुद्धिमान और साहसी लोग ही कर सकते थे ।

मयन के पापा उन दोनों की पीठ थपथपाते हुए कहते हैं.... शाब्बाश बेटा.....।

उन दोनों के साहस को सम्मान देते हुए प्रतियोगी सभा दोनों को सबसे ज्यादा साहसी होने का विजेता घोषित करती है, एक एक उपहार भेट करती है और साथ ही दोनों के उज्जवल भविष्य की कामना भी करती है ।

जो लौरानो फल वो दोनों लाये थे वो उन्हें ही रखने को कहा जाता है जिसे लेकर वो दोनों घर ले आते हैं और अगले दिन सारसिन जीवो के पास ले जाते हैं और दोनों लोग एक एक सारसिन के पास जाकर लोरानो फल उन्हें दिखाते हैं जिसे वो जीव देखकर खुश हों जाते हैं और दोनों के पास भी आ जाते हैं...।

दोनों लोग लोरानो फल उन जीवो के सामने रख देते हैं जिन्हे सारसिन बड़े चाव से खाते हैं और उन दोनों से खुश हों जाते हैं ।

तभी जिरान कहता है कि अब शायद ये दोनों जीव हम लोगों से दोस्ती करना चाहते हैं और अगर अभी हम इनकी सवारी कर लेते हैं तो आजीवन ये हमारे दोस्त बने रहेंगे और सभी लोग हमारी बहादुरी का लोहा भी मानेंगे.।

मयन कहता है इसीलिए तो हम लोग लोरानो फल लेकर आये है। तो चलो अब इनकी सवारी करते हैं और नियारा शहर को घूमकर आते हैं ।

दोनों को वह सिरासिन अपनी पीठ पर बैठा लेते हैं और चलने लगते हैं । तभी मयन पूछता है कि अगर ये तेज़ चलने लगे या कूदने लगे तो

हम कहीं गिर ना जाएँ। तो जिरान कहता है कि तुम इनकी गर्दन को जोर से पकड़े रहना ताकि गिरो नहीं और कई दिन के अभ्यास से हम इनकी सवारी करना पूरी तरह से सीख जायेंगे ।

मयन कहता है ठीक है, चलो घूमते हैं।

और इस तरह से मयन और जिरान अपने दोस्त सिरासिन जीवो की आये दिन सवारी करते हैं जिनको देखकर सभी लोग उन्हें बहादुरी की मिसाल मानने लगते हैं ।

....

Chapter 8 - गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स

मयन के 15 दिन नियारा पर घूमने फिरने और उस जगह को बारीकी से समझने में ही गुजर चुके थे। अब वो दिन भी आ चुका था जिस दिन से मयन की ट्रेनिंग शुरू होनी थी ताकि आने वाले समय में वह मिराकशी फ़ौज का एक योग्य सिपाही बन सके ।

उस दिन मयन बहुत ही उत्साहित रहता है, वह सुबह सुबह तैयार होकर ट्रेनिंग अकादमी पहुंच जाता है जँहा पर सभी ट्रेनी युवा उसकी उम्र से बड़े होते हैं, पर वह फिर भी खुद को किसी से कम नहीं समझता।

सभी को हॉल में एकत्रित किया जाता है और 5 -5 ट्रेनी का एक ग्रुप बनाने को कहा जाता है, और ग्रुप का एक नाम भी रखना होगा जिसका एक लीडर भी होगा।

इतना सुनते ही सभी लोग ग्रुप बनाना शुरू कर देते हैं। मयन की उम्र को देखकर कोई उसे अपने ग्रुप में शामिल नहीं करना चाह रहा था, मयन को यह जानकर थोड़ी निराशा हुई पर उसने मन ही मन में यह ठान लिया कि वह अकेले ही ट्रेनिंग कर लेगा लेकिन किसी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा ।

मयन देखता है कि सबके ग्रुप बन चुके हैं पर तीन ट्रेनी ऐसे छोड़ दिए गए थे जिनको किसी ने अपने ग्रुप में शामिल नहीं किया था ।

उन तीन लोगों में एक लड़की मिशी भी होती है जिसको कमजोर लड़की समझकर किसी ने अपने ग्रुप में शामिल नहीं किया ।

अब मयन, मिशी के अलावा दो लड़के और थे जिनके नाम ग्रज और सुनाका थे । तब चारो लोग मिलकर एक नया ग्रुप बनाते हैं जिसकी अगुवाई मयन कर रहा था, क्योंकि मयन ने ही अन्य तीनो ट्रेनी को निराशा छोड़कर आशावान बनने और नया ग्रुप बनाने को कहा था जिससे तीनो लोग प्रभावित हों गए थे ।

मयन के कारनामो के लिए वे सब पहले से ही मयन की बुध्दिमत्ता और साहस से प्रभावित हों चुके थे ।

अब इस नये ग्रुप का एक नाम रखा जाता है, 'गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स ' और इस ग्रुप के द्वारा एक थीम लाइन भी रखी जाती है - हमेशा सहायता और दुश्मनों से लड़ने के लिए तैयार '।

अब अपने ग्रुप का रजिस्ट्रेशन करने के लिए मयन अपनी टीम के साथ रिसेप्शन टेबल पर पहुँचता पर एक बात जो उसके मन में अभी भी

खटक रही थी वो थी उसके प्रिय और साहसी दोस्त जिरान की उसकी टीम में कमी ।

जैसे ही मयन की टीम काउंटर पर पहुँचती है तो वहाँ उसे बताया जाता है कि उसकी टीम में तो सिर्फ 4 ही सदस्य हैं, तब वह कहता है कि यहां तो सिर्फ हम चार ही लोग हैं तो अब पांचवा ट्रेनी कहाँ से आएगा ।

इतना कहा ही था कि मयन ने सोचा ये अच्छा मौका है, जिरान को अपनी टीम में शामिल करवाने का।

तब उसने कहा कि पांचवां सदस्य जिरान है, लेकिन वह ट्रेनी नहीं है । तब काउंटर पर उसे बताया गया कि कोई विशेष उपलब्धि के आधार पर उसको ट्रेनी बनाया जा सकता है ।

तो मयन ने कहा कि हां उसने और मैने अभी हाल ही में साहस की प्रतियोगिता जीती है, क्या उसके आधार पर उसको ट्रेनी बनाया जा सकता है ?

तब काउंटर पर बताया गया कि बिलकुल बनाया जा सकता है । मयन तुरंत भागकर जाता है और जिरान को सारा घटनाक्रम बताता है और उसकी टीम में शामिल होने की इच्छा के बारे में पूछता है तो जिरान खुश होकर शामिल होने की इच्छा जाहिर कर देता है ।

अब जिरान अपने माता पिता से सहमति लेकर ट्रेनिंग अकादमी की ओर चल देता है । अकादमी पहुंचकर जिरान को टीम में शामिल करा लिया जाता है और अब पांचो सदस्य - मयन, मिशी, ग्रज, सुनाका और जिरान थे ।

गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स की टीम जिसे मयन लीड कर रहा था, ट्रेनिंग के लिए तैयार थी और ट्रेनिंग कुल 7 चरणों में पूरी होनी थी जिसमें 15 - 15 दिन का एक एक चरण था और हर चरण के बीच में अवकाश भी था।

जो ग्रुप अपनी ट्रेनिंग को जल्द से जल्द पूरा करेंगे वह मिराकशी फ़ौज के साथ डायनीज़ों से लड़ने जा सकते थे ।

पहला चरण शुरू होते ही सभी टीम्स अपने अपने लीडर के साथ तैयार थी और पहले चरण में शारीरिक क्षमता को बढ़ाना था मतलब कि इस चरण में सभी ट्रेनी शारीरिक रूप से लड़ाई के लिए पूरी तरह से सक्षम हो सकेंगे।

ट्रेनिंग शुरू होती है और सभी ट्रेनी से तमाम तरह की रेगुलर एक्सरसाइजस करवायी जाती हैं । मयन भी 15 दिन तक अपने सदस्यों के साथ बड़ी ही कुशलता से यह चरण पूरा करता है ।

अब पहले चरण के बाद सभी ट्रेनीस को 5 दिन का रेस्ट दिया जाता है और नियमित अभ्यास करने को भी कहा जाता है ।

5 दिन के लिए सभी ट्रेनी अपने अपने परिवार के पास लौट जाते हैं और सबको अपने अपने अनुभव साझा करते हैं ।

इसी तरह सभी चरणों में अलग अलग क्षमताओं का विकास किया जाता है जिसमें कभी यान की बारीकियां समझायी जाती हैं तो कभी यान कैसे उड़ाया जाता है ये सिखाया जाता है, कभी लड़ाई करते वक़्त क्या क्या सावधानी बारती जाती है ये सिखाया जाता है तो कभी दाँव पेंच पैतरे रणनीति बनाना और टीम वर्क सिखाया जाता है । यान में लगे सभी हथियारों क प्रयोग करना सिखाते है, एक यान की दूसरे यान को मदद करना सिखाया जाता है तो कभी लोगों को कैसे बचाना है और किन बातों का ध्यान रखना है ये सिखाया जाता है । यान के साथ साथ ज़मीन पर चलने वाले मोटर व्हीकलस भी ऑपरेट करना सिखाया जाता है और डेमो के तौर पर नकली युद्ध की परिस्थितियाँ बनाकर लड़ना सिखाया जाता है ।

मयन और उसकी टीम सभी गतिविधियों को ध्यानपूर्वक और कुशलतापूर्वक पूरा करती है और अब अंतिम चरम में पहुँच चुके होते हैं जिसको पूरा करके ही कोई ग्रुप स्थाई रूप से सेना का हिस्सा बन सकता था ।

अंतिम चरण कठिनाइयों से भरा हुआ था क्योंकि यह एक वास्तविक युद्ध की परिस्थितियाँ बनाकर आपस में सभी ग्रुप्स को लड़ना है और जिसका जिसका ग्रुप लड़ाई में खुद को सेफ रखते हुये जीतेगा, वही ग्रुप्स ही केवल दूसरे ग्रहों और ब्रह्माण्ड में चल रही लड़ाईयों में भेजा जाएगा ।

....।...............

Chapter 9- जाहुरा जाने की तैयारी

अंतिम चरण की शुरुआत करने से पहले सभी ट्रेनीस को अंतिम चरन में एंट्री करने की कोई बाध्यता नही होती है और सभी अभ्यर्थी इस कठिन चरण में जाने के लिए अलग से आवेदन करेंगे, यह निर्देश ट्रेनिंग अकादमी की तरफ से सभी अभ्यर्थियों को दिए जाते हैं । और चरण शुरू होने से पहले 10 दिन का मानसिक और शारीरिक आराम दिया जाता है ।

सभी लोग अपने अपने निवास स्थान पर चले जाते हैं और मयन भी सभी को अंतिम चरण की शुभकामनायें देते हुए कहता है कि आशा है मुझे, तुम चारों लोग मेरी टीम 'गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स ' अंतिम चरण पूरा करके मिराकशी फ़ौज में शामिल होकर अपनी अमूल्य सेवाएं देंगे ।

अपने परिवार के पास पहुंचकर मयन सभी से मिलकर उतना ही खुश था जितने की और सभी लोग थे । मयन के आने पर उसकी पसंद के पकवान बनाये जाते हैं और मयन भी जी भरकर मम्मी के बनाये पकवानों का आनंद लेता है । फिर उसकी बहन मीरा उससे ट्रेनिंग के कुछ खट्टे मीठे अनुभवों के बारे में पूछती है , मयन सब सुनाता है और बाते करते करते वो लोग सो जाते हैं । मयन के मम्मी पापा भी मयन कि बाते सुनकर गौरव से भर जाते हैं।

अब मयन अंतिम चरण में जाने से पहले अपनी टीम को इकठ्ठा करता है और उनसे कहता है कि देखो अंतिम चरण काफी कठिनाइयों भरा है, इसलिए सभी लोग सोच समझकर और अपने परिवार वालो से इजाजत लेकर ही आगे बढ़ना । और वह कहता है कि हमें पता चला है कि सबको एक कठिन मिशन पर भेजा जाने वाला है जो रायना ग्रह पर भी हों सकता है और किसी दूसरे ग्रह पर भी हों सकता है इसलिए वहाँ जाने से पहले हमें पूर्व के ट्रेनी से मिलना होगा इस मिशन को पहले ही

पार कर चुके हैं और इस समय मिराकशी सेना में अपनी सेवाएं भी दे रहे हैं ।

अब हमें ये पता करना होगा कि कौन से ऐसे सिपाही हैं जो अभी रेस्ट पर हैं और डायनीस से लड़ने के लिए मिशन पर नहीं हैं, वही लोग हमें सही मार्गदर्शन दे सकते हैं ताकि हम लोग अधिक उत्साह और सावधानी से मिशन पर जा सकें ।

सभी लोग मयन की बात सुनकर उसकी हां में हाँ मिलाते हैं और एक एक करके कई लोगों से मुलाकात भी करते हैं।

सबसे मिलकर उन्हें कुछ अहम् 10 बाते पता चली जो हैं ---

1. अपनी टीम को कभी मुसीबत में ना डालना चाहे कितनी भी बड़ी समस्या क्यों ना हों
2. टीम का जो मेंबर मिशन को लीड कर रहा हों उसके निर्णयों पर किसी प्रकार का शक नहीं करना।
3. मिशन के दौरान होने वाले नुकसान को देखकर घबराने के बजाय युक्ति और उपाय खोजना ताकि कम से कम नुकसान हो सके और जिन लोगों को बचाने गए हों उनको सुरक्षित लेकर लौटना ही परम उद्देश्य होना चाहिए

4. टीम के लीडर की भूमिका सबसे अहम् और महत्वपूर्ण होती है क्योंकि किसी भी जीत और हार का जिम्मेदार वही होता है इसलिए निर्णय लेने से पहले उसके होने वाले फायदे और नुकसान के बारे में तुलनात्मक सोच रखनी चाहिए ।
5. जिस यान से मिशन पर जाओ उसकी बारीकी से जाँच पड़ताल जरुरी है ताकि मिशन के दौरान किसी प्रकार की समस्या से बच सको ।
6. मिशन पर जाने से पहले जिस जगह जा रहे हों वहाँ की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए ताकि किसी अनजान खतरे से बचा जा सके ।
7. जब दुश्मन से सामना हो जाए तो उससे पहले ही उसकी ताकत के बारे में सब पता होना चाहिए और अगर कोई नयी समस्या दुश्मन पैदा कर दे तो परेशान होने की बजाय उससे लड़ने के लिए त्वरित नयी युक्तिया खोजनी चाहिए और ध्यान रहे कभी दुश्मन तुम्हारे आत्मविश्वास को न हरा पाए, भले ही मिशन असफल हों जाए ।
8. अपनी टीम पर पूरा भरोसा होना चाहिए ताकि मिशन के दौरान 'तू -तू मै -मै ' की स्थिति से बचा जा सके और किसी भी खतरे से बचा जा सके ।
9. जब मिशन पूरा हों जाए तब भी दुश्मन को कमजोर नहीं समझना चाहिए जब तक कि उसे पूरी तरह से नेस्तनाबूत न कर दिया जाए।
10. अगर कोई दुश्मन बुराई छोड़कर अच्छाई अपनाना चाहे तो उसकी हर संभव मदद करो पर ध्यान रहे सावधानी फिर भी रखनी चाहिये ।

इन जरुरी बातों के पता चलने पर मयन और उसकी टीम आत्मविश्वास से भर गयी और मिशन पर जाने के लिए बहुत उत्साहित भी हों जाती है ।

अब वो दिन भी आ गया जब ट्रेनिंग के अंतिम चरन पर सबको भेजा जाना था।

मयन और उसकी टीम अपने अपने परिवार से सहमति लेकर मिशन पर जाने के लिए तैयार थे । सभी लोग अकादमी पहुँच जाते हैं ।

सभी टीम्स को आपस में ही रियल युद्ध की परिस्थितियों में संघर्ष करना था । सभी टीम्स को बताया जाता है कि आप लोगों को नजदीक के ग्रह जाहुरा पर जाकर एक दूसरे कुछ जीव हैं उनको जाकर वहाँ के परभक्षियों से बचाना है और साथ ही वहाँ जाकर आपस में एक दूसरे से अपने अपने यान से लड़ना भी है।

जो भी टीम्स उन जीवो को बचाकर सुरक्षित बचकर अपने यान से वापस रायना ग्रह पर आ जायेगी, सिर्फ उसी का अंतिम चरम पूरा माना जाएगा और बाकी जो याँ क्षतिग्रस्त हों जायेगे और जो टीम वापस सफलतापूर्वक नहीं आ सकेंगे उनको दूसरे यानो से सुरक्षित वापस लाया जाएगा और असफल घोषित किया जाएगा और साथ ही

असफल टीम्स को फिर से अंतिम चरण पार करने के लिए अगले ट्रेनिंग बैच के अंतिम चरन में आवेदन करते हुए फिर से चरण पूरा करने का सफल प्रयास करना होगा तभी उस टीम को मिराकश और रायना की संयुक्त फ़ौज में शामिल किया जा सकेगा ।

मयन एंड टीम सभी जरुरी निर्देशों को भली पूर्वक समझ लेने के बाद अपने यान की तरफ बढ़ती है जिसका नाम Miraq-07 रहता है। मयन जाकर अपने यान को चूमता है और कहता है हमारा ख्याल रखना दोस्त !

और अब उसकी टीम Miraq-07 में सवार हो जाती है, और यान की सभी तकनीकी जांच पड़ताल करती है । मयन जाकर Miraq-07 के रेडियो सिस्टम से रायनीज़ ट्रेनिंग कमांड को यह जानकारी देता है कि उसका नाम मयन है और Miraq07 के कैप्टेन की भूमिका में उसने जहाज को अपने अंडर चार्ज में ले लिया है और उसकी टीम भी अपने अपने कर्त्तव्यो के निर्वहन के लिए पूरी तरह से मुस्तैद है ।

मयन आखिरी निर्देश देता है - “रॉजर, मेरी टीम और मेरा यान जाहुरा के खतरनाक मिशन पर जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। “

ट्रेनिंग कमांड से आवाज आती है -" कॉपी दैट, कैप्टेन - आपको जाहुरा के मिशन पर जाने की इजाजत दी जाती है !"

इतना सुनते ही मयन अपने पायलट 'ग्रज' से कहता है - चलो मेरे दोस्त, जाहुरा में धूम मचाकर आते हैं !

ग्रज अपने लीडर का निर्देश पाते ही यान को उड़ाकर जाहुरा के लिए निकल पड़ता है ।

....

Chapter 10- अटैक क्यों नहीं किया?

जिस तरह से सीनियर्स ने सावधानियाँ बरतने को कहा था, मयन और उसकी टीम ने सभी महत्वपूर्ण बातो का ध्यान भी रखा और उनकी बात पर अमल भी किया जिसमें सबसे पहला काम मयन ने जाहुरा ग्रह के बारे में जानकारी जुटाई और ग्रह पर मौजूद विषम परिस्थितियों के बारे में भी उचित जानकारी जाने से पहले ही कर ली थी और उन्हें ये पता चला था कि जाहुरा ग्रह पर गुरुत्व बल रायना से कम है जिस कारण से वहाँ यान को उड़ाना भी कोई आसान काम नहीं था लेकिन फिर भी वह एक मिराकशी यान था जो ब्रह्माण्ड में

कहीं भी अच्छी तरह से ऑपरेट किया जा सकता था और उसमे कई प्रकार के फाइटिंग मोड भी उपलब्ध थे जिसका प्रयोग करना मयन और उसकी टीम ने अपनी ट्रेनिंग में भली प्रकार सीख लिया था ।

कुछ समय की उड़ान के बाद लगभग सभी यान जाहुरा ग्रह के वायुमंडल में प्रवेश कर जाते हैं और थोड़ी ही देर में सभी यान उस ग्रह पर एक दूसरे से अनजान अलग अलग जगह लैंड कर जाते हैं ।

नियम के मुताबिक सभी प्रतिभागियों को लैंड करने के बाद ही दूसरे यान पर हमला बोलना था और वहाँ के कमजोर जीवो को परभक्षी जीवो से ज्यादा से ज्यादा बचाना था। अब अंतिम चरण में जो यान और उसकी टीम सुरक्षित वापस लौटेगी उसका चरण पूरा माना जाएगा लेकिन उसमे भी एक शर्त यह थी कि जिसे भी चरण पूरा करना है उसे कुछ निर्धारित किये गए कमजोर जीवो की न्यूनतम संख्या को बचाना ही होगा वरना उनका चरण पूरा नहीं माना जाएगा और जो अधिक से अधिक जीवो को बचायेगा उसे अतिरिक्त अंको के साथ रैंक भी मिलेगी जिससे पता चलेगा कि कौन सी टीम कितनी ज्यादा योग्य कुशल और साहसी है, साथ ही इस सब गतिविधियों पर ट्रेनिंग कण्ट्रोल सेंटर की नज़र भी रहेगी जो लगातार जरुरी निर्देश भी देती रहेगी ।

अब जैसे ही मयन का यान जाहुरा पर लैंड करता है तो उसके यान के फाइटिंग उपकरण अपने आप एक्टिवेट हो जाते हैं जो रायना ग्रह से निकलते वक़्त ही कमाडिंग सेंटर से बंद कर दिए जाते हैं क्योंकि कोई

टीम रास्ते में ही एक दूसरे पर अटैक कर सकती थी इससे बचने के लिए मिसाइल, बम, लेसर आदि को लॉक कर दिया गया था ।

‘गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स ‘की टीम पूरे जोश और उत्साह के साथ जाहुरा में जीवो को बचाने निकल पडती है । वह अपने यान को सतह से कुछ फ़ीट ऊपर उड़ाते हुए जीवो की खोजबीन शुरू कर देते हैं और परभक्षी जीवो को चुन चुन कर मारना शुरू कर देते हैं और ये क्या तभी एक और मिराकशी यान उनके यान के सामने आ जाता है और दोनों ही एक दूसरे को देखकर सतर्क हो जाते हैं और अटैकिंग मोड में आ जाते हैं ।

इसके पहले कि सामने वाला यान हमला बोलता मयन ने हमला करने की जगह खुद को बचाना उचित समझा और अपनी टीम को आदेश दिया कि डिफेन्स मोड एक्टिवेट किया जाए और यहां से बाहर निकलो और अगर ये यान पीछा करे तभी उसको क्षतिग्रस्त करेंगे वरना हम सिर्फ डिफेन्स मोड में रहेंगे और एंटी लेज़र तकनीक का प्रयोग करते हुए खुद को सुरक्षित रखेंगे और फिर मयन का यान वहाँ से निकल जाता है ।

सुरक्षित निकल जाने पर मिशी जो फाइटिंग स्पेशलिस्ट थी वह मयन से पूछती है कि कैप्टेन साहब आपने अटैक करने को क्यों नहीं कहा तब मयन बताता है कि वो हमारे असल दुश्मन न होकर सिर्फ ट्रेनिंग

के आखिरी पड़ाव तक के दुश्मन हैं इसलिए उन्हें खतरे में डालना और मिराकशी यान जो अपने खेमे के ही हैं उनको क्षतिग्रस्त करके हम अपना ही नुकसान तो करेंगे और दूसरे को नुकसान पहुंचाने के बजाय हम जीवो को बचाने पर ही ध्यान देंगे और सुरक्षित भी रहेंगे ताकि हमारी रैंक भी अच्छी रहे और अंतिम चरन पूरा करते हुये वापस रायना कुशलता पूर्वक भी पहुंच जायेगे ।

मयन की नेक सोच जानकर पूरी टीम खुश हुई और जैसे अपने लीडर के निर्देश मिले थे वैसी ही रणनीति अपनाते हुए उनकी टीम अधिक से अधिक जीवो को बचाकर वापस लौटने के लिए यान को रायना के नियारा शहर जाने के लिए तैयार करती है और जो यान उन पर अटैक करने आता है उससे खुद को बचाते हुए सावधानी पूर्वक जाहुरा से सुरक्षित निकल भी आती है । जैसे ही जाहुरा ग्रह के वायुमंडल से उनका यान बाहर उड़ जाता है उनके फाइटिंग ऑब्जेक्ट्स आटोमेटिक लॉक हो जाते हैं ।

सभी यानो की तरह मयन के यान की गतिविधियों पर भी कण्ट्रोल सेंटर की नज़र थी और उन सब अधिकारियों ने मयन की सोच को सराहा और रायना पहुँचते ही मयन की टीम को साहसी होने के साथ साथ नेकदिल होने के लिए सम्मानित किया ।

मयन के साथ जितनी टीम्स वापस सकुशल पहुंची थी उन सबको मिराकशी सेना में शामिल होने के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित और योग्य घोषित किया जाता है जिसका प्रमाणपत्र भी सभी को दिया जाता है और असफल ट्रेनीज़ को अगले मिशन की तैयारी करने की सलाह दी जाती है और उनका मनोबल भी बढ़ाया जाता है ।

'गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स ' की सफलता देखकर मयन को सबसे कम उम्र का योग्य कैप्टेन भी घोषित किया जाता है जिसने ट्रेनिंग में अपने सभी चरणों को जिस कुशलता और सदभावना से पूरा किया था उतना आज तक किसी ट्रेनी ने नहीं किया था। मयन और उसकी टीम के सभी सदस्यों के परिवार वालों के साथ साथ पूरे नियारा वासियों को गौरव महसूस होता है साथ ही सभी लोग मयन को निकट भविष्य में सभी टीम्स का कैप्टेन बनाने के पक्ष में थे । पर अभी मयन ने एक भी युद्ध में या किसी शत्रु से मुठभेड़ में प्रतिभाग नहीं किया था इसलिए उसे सबका कैप्टेन अभी नहीं बनाया जा सकता था लेकिन सभी उसको दुआएं देते हैं कि वही बनेगा और सबकी सुरक्षा को मजबूत आधार प्रदान करेगा ।

मयन के मम्मी पापा उसको गले से लगाकर कहते हैं - मेरा बहादुर बेटा , हमारी दुआएं सदैव तुम्हारे साथ हैं, तुम खूब तरक्की करो और पुरे ब्रह्माण्ड में एक मिसाल पेश करो, यही आशीर्वाद है । "

......................|..|....|.....................

Chapter 11- बाज की तरह टूट पड़ो

मयन और उसके साथियों की ट्रेनिंग सकुशल पूरी हों जाने के बाद पुरे नियारा शहर में ये चर्चाएं काफी तेज़ हों चुकी थी कि अब मयन और उसके साथी कब तक डायनीज़ जो अभी सबसे बड़े दुश्मन के तौर पर मुसीबत बनकर सामने आये हुए थे, उनसे लड़ने और बच्चे हुए धरतीवासियों को धरती के कोने कोने से खोजकर बचाने जाएंगे ।

मयन और उसके साथी भी अपने शौर्य का प्रदर्शन करने के लिए बहुत ही उत्साहित थे कि उन्हें भी जल्द से जल्द धरती पर जाकर डायनीज़ो से लड़ने का मौका मिले।

मयन तो इस समय का कबसे बेसब्री से इंतज़ार भी कर रहा था कि वह कब धरती और इस ब्रह्माण्ड के दुश्मनों से अपना बदला लेगा।

वह मिराकशी कमांड से उसकी टीम गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स को जल्द से जल्द धरती के मिशन पर भेजनें की गुज़ारिश करता है क्योंकि अब कोई भी औपचारिकता शेष नहीं रह गयी जिससे उसको मिशन पर जाने से और अधिक रोका जा सके ।

मयन की इच्छानुसार उसे उसकी टीम के साथ अन्य टीम्स को भी लीड करने के निर्देश देते हुए धरती मिशन पर जाने की अनुमति मिल ही जाती है जिसे जानकर सभी को बहुत ख़ुशी होती है और सभी अपनी अपनी तैयारियों में जुट जाते हैं। लेकिन मयन होने घर और बाकी

दोस्तों के बारे में सोचकर थोड़ा भावनात्मक भी हों जाता है और मन ही मन सोचता है कि काश वो सभी धरती वाले मित्र भी आज उसके साथ होते तो कितना अच्छा होता ।

मयन अपने परिवार को धरती जाने की खबर देता है और कहता है कि मै अपने ही जैसे हज़ारों लोंगो को बचाने जा रहा हूं, और वापस सुरक्षित लौटकर भी आऊंगा, ऐसा कहकर वह धरती के लिए अपनी टीम के साथ अन्य टीम को लेकर अपने यान miraq-07 में सवार हों जाता है।

मयन तो जाने कबसे इस दिन का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था कि वह कब धरती पर जाकर सबको बचाएगा और उनको सुरक्षित लेकर रायना वापस भी आएगा।

अब रायना से मयन और उसकी टीम को हरी धरती के लिए निकलने के लिए हरी झंडी मिल चुकी होती है ।

रायना के कमांड सेंटर से रेडी एंड गो के निर्देश मिलते ही मयन अपने यान के पायलट को भी यान उड़ाने को कहता है । मयन का यान शुरू होते ही जो अन्य टीम्स उसके साथ जाने वाली थी वो भी मयन के पीछे पीछे चल देते हैं जिसकी जानकारी उन सबको मयन के यान से ही मिलती है और पूरे मिशन के दौरान सभी टीमें मयन को ही फॉलो करेंगे ऐसे निर्देश उन्हें दिए गए थे ।

मयन अब रायना को पीछे छोड़ आया है और घने काले अंतरिक्ष के सफर पर है जिसमें उसे फिर से वही अनोखे ब्रह्माण्ड के दृश्य दिखाई देते हैं जो उसने धरती से आते वक़्त देखे थे।

मयन मिशी से कहता है कि रास्ते में जो भी समस्याएँ मिलने वाली हैं उनको हम सावधानी और सतर्कता से निपटाते चलेंगे और इस बात का ध्यान तुम्हे ही रखना है।

ग्रज को सिर्फ यान उडाने पर ध्यान देना था और बाकि सदस्य यान के मैनेजमेंट का और दिशानिर्देशों का ध्यान रखेंगे और हर तरह की अहम् जानकारी को समय से मयन को देते रहेंगे ऐसा मयन ने पहले ही सबसे कह रखा था ।

मयन कहता है यान की स्पीड चार गुनी कर दो ताकि हम जल्दी ही धरती पर पहुँच सकें क्योंकि धरती वासियों को हमारी मदद की सख्त जरुरत है । ग्रज ऐसा ही करता है और अब जल्दी ही मयन का यान सौरमण्डल में प्रवेश कर जाता है । सौरमण्डल में प्रवेश करते ही मयन अपने यान के साथ साथ सभी यान के कैप्टेन को सचेत करता है कि सौरमण्डल में सभी लोग सतर्क होकर आगे बढ़ेंगे क्योंकि पुरे सौरमण्डल पर डायनीज़ो ने कब्ज़ा कर रखा है और उनकी बराबर मिराकाशी यानो पर नज़र भी है । पता नहीं कब कहाँ डायनीज़ यान से हमारी मुलाक़ात हों जाए, लेकिन मन मजबूत किये रखना, साथ ही साहस से लड़ना अगर जरुरत पड़ी तो ।

अब miraq07 बाकी यानो के साथ धरती के समीप पहुँच चुका था जिसके आस पास डायनीज़ो के यान चक्कर लगा रहे थे । मयन को जानकारी मिलते ही वह सबको सतर्क करता है और सभी यान की रफ़्तार को सामान्य करने को कहता है और किसी भी वक़्त दुश्मन से सामना हों सकता है, ऐसे निर्देश देता है । मयन भी पूरी तरह से डायनीजी यानो से निपटने के लिए तैयार होता है । मयन कहता है.. जहां तक हों सके हमें बचते हुये धरती पर सेफ लैंडिंग करनी है और वहाँ फंसे लोगों को खोजकर अपने यान में बिठाना है और अगर ऐसा करते वक़्त कोई दुश्मन आपसे टकराता है तो उसका मुहतोड़ जवाब भी देना है ।

सभी टीम्स मयन के निर्देशों का पालन करने के लिए पूरी तरह से तत्पर रहते हैं ।

मयन ने जो सोचा था वही हुआ, ये क्या...... धरती पर लैंड करने से पहले ही डायनीज़ यानो के एक काफ़िले ने मयन के काफ़िले को देख लिए और तुरंत उनकी घेराबंदी करना शुरू कर देते हैं ।

मयन से मिशी कहती है - कैप्टेन इस मुश्किल हालत में हमें क्या आर्डर है, कृपया जल्दी बतायें ।

मयन कहता है सभी यानो को ईगल कि आकृति में आने को कहो ताकि हमारी घेराबंदी न की जा सके और उसके बाद अपने पास आ रहे दुश्मन के यान पर लेज़र अटैक भी करो ।

सारे यान ऐसा ही करते हैं और युद्ध शुरू हों जाता है,.... डिफेन्स तकनीक को अपनाते हुए मयन बचते हुए दुश्मन के यानो पर फायर करता है और बाज की आकृति में होने के कारण दुश्मन उनको घेरने में नाकाम हों जाता है ।

मयन अब सभी को कहता है कि जैसे बाज़ अपने दुश्मन पर अटैक करता है उसी तरह अपने यानो की मूवमेंट करते हुए अब दुश्मन को अपने यान रुपी पंजो में जकड कर उनको घर लो और जैसे ही घेराबंदी हों जाती है सब डायनीज़ो पर एक साथ अटैक करना शुरू कर देते हैं ।

देखते ही देखते सारे डायनीज़ यान नष्ट विनष्ट होकर गिर जाते हैं और कुछ हवा में ही ब्लास्ट हों जाते हैं ।

मयन की त्वरित युद्ध की सफल रणनीति से सभी कैप्टेन उसकी बुद्धि और चतुराई का लोहा मानते हैं ।

ये पहला मिशन भी था और दुश्मन से पहली लड़ाई भी थी जिसे मयन ने पूरी तरह अपनी दम ख़म पर जीता था, इस जीत से सभी लोग आत्मविश्वास से भर जाते हैं और अब धरती पर एक जगह लैंड करते हैं ।

लैंड होते ही मयन कहता है कि असल काम फसे लोगों को खोजना और उन्हें बचकर यान में लाना है जिसके लिए हमें अलग अलग दिशाओं में और क्षेत्रों में बटकर यह काम पूरा करना होगा और वह एक एक करके सभी यानो को अलग अलग क्षेत्र में भेज देता है और खुद भी लोगों को खोजने में लग जाता है । जहां पर डायनीज़ो ने तबाही की थी उन क्षेत्रों को पहले खोजा गया और लोगों को बचाना शुरू भी कर दिया।

यान की क्षमता के हिसाब से जैसे ही लोग यान में आ गए यान को वापस वही जाकर रुकना था जिस जगह से सभी यान अलग अलग दिशाओं में गए थे।

और जैसे ही सभी यान लोगों को बचाकर वापस आ गए, उस जोन से मयन ने एक साथ सतर्क होकर वापस रायना के लिए उड़ जाने को कहा और ये भी कहा कि यान की स्पीड सामान्य से 5 गुनी रखते हुए सामने आने वाले किसी भी तरह के डायनीज़ यानो को उड़ाते हुए आगे बढ़ते जाना है और अगर कोई समस्या आती है तो साथ वाले यान को उसकी मदद भी करनी है ताकि उसको पलटवार करने का मौका मिल सके ।

सभी कप्तान यही करते हैं और तेजी के साथ धरती के वायुमंडल से बाहर निकल जाते हैं ।

मयन सबसे कहता है कि हमें अभी लोगों को बचाकर सुरक्षित रायना तक पहुँचना है और कम से कम डायनीजो से लड़ना है क्योंकि जब लगभग सभी लोगों को यहां से बचा लिया जाएगा फिर एक ही मिशन

होगा और वो डायनीज़ो से आर पार की लड़ाई करके उन्हें नष्ट करना होगा ताकि वे फिर कभी किसी दूसरे ग्रह और सभ्यता पर हमला करने की न सोचें ।

इस तरह से मयन का काफ़िला सौरमण्डल से बाहर निकलता हुआ रायना पहुँच जाता है जहां उन लोगो का भव्य स्वागत किया जाता है क्योंकि यह मयन का पहला अंतरिक्ष मिसन जो था । मयन की सफलता से पूरा नियारा शहर चमक रहा था और साथ ही पूरी मिराकशी फ़ौज में एक नयी ऊर्जा और उत्साह का संचार हो गया था ।

............।...

Chapter 12 - दामोरो की चाल

मयन के पहले मिशन की सफलता के बाद उसे रेगुलर रूप से धरती पर भेजना शुरू किया गया और देखते ही देखते धरती से हज़ारों लोगों को एक एक शहर से खोजकर लाया जाने लगा । और वो भी बिना किसी ज्यादा नुक्सान के।

मयन के यान miraq07 पर निगरानी करने वाले कुछ डायनीज़ यानो ने नज़र रखना शुरू कर दिया क्योंकि यही एक ऐसा यान था जिसने सभी को परेशान करके रखा था ।

इस बात की सूचना जल्दी ही डायनीज़ फ़ौज के मुखिया दामोरो के पास पहुंच गयी और मयन की घेराबंदी करने के लिए दामोरो ने अपने दस्ते के सबसे सुपर लड़ाकू यानो को मुस्तैद कर दिया और miraq07 के आने का इंतज़ार करने लगे और दूसरी तरफ मयन इस खबर से पूरी तरह अनजान था कि उसके खिलाफ साजिश रची जा चुकी है ।

लेकिन मयन के रणनीति से डायनीज़ भी पूरी तरह से अनजान थे क्योंकि मयन जितनी बार भी धरती के मिशन पर आया, उसने एक नियम जरूर फॉलो किया कि कभी अपने दुश्मन को कमजोर नहीं समझना है और अचानक से आने वाली मुसीबत में घबराने की बजाय उपाय खोजना है और समस्या का हल निकालना है.।

अब जैसे ही मयन धरती के पास पहुँचता है, डायनीज़ यान उसे चारो तरफ से घर लेते है और इस बार वह धोखा भी इसलिये कहा गया था क्योंकि यह सभी डायनीज़ यान स्टील्थ तकनीक पर आधारित थे जो कि आसनी से न दिखाई देकर गायब होकर आ धमके थे पर पर जैसे ही मयन को घर लिया जाता है मयन डिफेन्स मोड में यान को रखने को कहता और हमला करने से मना कर देता है क्योंकि हमला करने से डायनीज़ यान उस पर हर ओर से हमला करते जिससे वह क्षतिग्रस्त हो सकता था ।

घेरने के बाद miraq07 को निर्देश दिया जाता है कि बिना कोई होशियारी दिखाए वह उनके साथ चले। मयन भी कुछ सोचकर उनके साथ चलने के लिए अपनी टीम से कहता है ।

अब मयन को चारो तरफ से घेरे हुए दुश्मन उसको लेकर दामोरो के पास पहुँचते हैं जो एक बहुत बड़े डायनीज़ यान DANZ-01 में होता है । मयन के बिना कोई विरोध किये उनके साथ चलने पर उसकी टीम को पहली बार कोई आपत्ति महसूस हुई लेकिन अपने लीडर के निर्णय को पूरी तरह मानना भी उनका फर्ज़ था इसलिए वे चुपचाप रहे ।

मयन गंभीर मुद्रा में लगातार कुछ सोचे ही जा रहा था तभी Danz01 से दामोरो अपने सिपाहियों के साथ बाहर आता है और मयन और उसकी टीम को गिरफ्तार करने का आदेश भी देता है । जब मयन और उसकी टीम गिरफ्तार हो जाती है तब दामोरो देखता है कि इनका कप्तान तो एक 15 साल का युवा बच्चा है जिसने उसकी फ़ौज की नाक में दम कर रखा था । मयन को नियारा पर रहते रहते अब 5 साल बीत चुके थे और वह लगातार अपनी सेवा सहयोग में एक बहादुर सिपाही की भूमिका निभा रहा था ।

दामोरो मयन से कहता है कि तुमने मेरे कई यान और बेहतर सिपाहियो को बर्बाद करके मेरी शक्तिशाली सेना को चुनौती दी है और ऐसा आज तक कोई यान नहीं कर सका हालांकि कई मिराकशी यानो से हमारे यानो की लड़ाई हों चुकी है पर कोई एक यान हमारी सेना पर भारी पड़ जाए ऐसा पहली बार हुआ है। तुम मेरे दुश्मन हो इसलिए तुम्हे सम्मान तो नहीं ड़े सकता पर तुम्हारे जज्बे को सलाम करता हूं । साथ ही तुम्हे और तुम्हारी टीम को आजीवन कारावास की सजा भी सुनाता हूं ।

मयन दामोरो से कहता है कि मेरी तारीफ के लिए शुक्रिया पर तुम मुझे आजीवन तो क्या कुछ दिन तक भी अपनी कैद में नहीं रख सकोगे । ये मेरी चुनौती भी है और आत्मविश्वास भी ।

गिरफ्तार होते हुए भी मयन के आत्मविश्वास को देखकर दामोरो की सभा चौंक जाती है ।

दामोरो भी हंसते हुए उन लोगो को जेल में बंद करने को कहता है और कुछ डायनीज़ सिपाही उन लोगो को लेकर जेल में बंद करने के लिए ले जाते हैं ।

जब मयन और उसकी टीम ग्गुर्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स जेल में बंद थे तब तब मिशी और ग्रज मयन से पूछते हैं कि उसने चुपचाप सरेंडर क्यों कर दिया जबकि हम लड़ सकते थे और मौका मिलते ही भाग भी सकते थे ।

मयन कहता हैं कि मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मेरे हमला करने से सभी यान हम पर हमला बोल देते और हम सबकी जान खतरे में पड़ सकती थी और तुम्हारा कप्तान होने के नाते मैं तुम सबकी जान खतरे में नहीं डाल सकता हूं , इसलिए मेरा सबसे पहला फर्ज़ अपनी टीम को बचाना है ।

मिशी कहती है कि ये तो ठीक है पर बिना लड़े भी तो हम यहां कैद हों चुके हैं इससे अच्छा था कि हम लोग लड़कर साहस दिखाते ।

मयन कहता है कि इसके पीछे भी उसकी एक चाल है जो डायनीज़ों को नहीं पता.।

मिशी कौतुहल वश पूछती है कि आखिर वह क्या चाल है जो उनको नहीं समझ आई

मयन कहता है कि हमें अपने दुश्मन को ठीक से समझना था और उसके लिए उनके कमांडिंग सेंटर तक पहुंचना बहुत जरुरी था । अब हम यहां आराम से जानकारियाँ इकठ्ठा करेंगे और मौका मिलते ही यहां से फरार हों जाएंगे । ये सारी गुप्ता जानकारियां हमारी पूरी मिराकशी फ़ौज के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी जिससे भविष्य में डायनीज़ो के खिलाफ हम बेहतर रणनीति बना सकेंगे और इनको हराकर धरती से भगा भी सकेंगे ।

मयन की चतुराई भारी सोच जानकर उसकी टीम उसकी दूरगामी सोच की बहुत तारीफ करती है ।

मयन कहता है कि हमें यहां से भागने के लिए बिलकुल परेशान नहीं होना है क्योंकि हम जितना ज्यादा समय यहां गुजारेगे उतना ही अधिक डायनीज़ो के बारे में जान सकेंगे और यहां से भागने का प्लान भी बनाते रहेंगे जिसके लिए कोई न कोई उपाय जरूर निकलेगा, ऐसा मुझे विश्वाश है।

मयन के साथ उसकी टीम भी कहती है - हमें भी आपके निर्णय पर पूरा भरोसा है, कैप्टेन!!

अपनी टीम का खुद पर भरोसा देखकर मयन भी खुश होता है और कहता है कि मैं जो कुछ भी हूं अपनी टीम की वजह से ही हूं !!

....

Chapter 13- कैद से बाहर निकलना

दिन पर दिन बीते जा रहे थे, इधर मयन को आता ना देख उसके मम्मी पापा को चिंता होने लगी थी क्योंकि किसी भी मिशन के बाद इतना लेट लतीफ़ मयन आज तक नहीं हुआ था, और मिराकशी कमांड का भी मयन के यान से सम्पर्क टूट चुका था जिससे सबकी परेशानी बढ़ती ही जा रही थी और miraq07 को भी डायनीज़ो द्वारा नष्ट कर दिया गया था ।

धरती पर गए अन्य मिराकशी यानों को कमांड द्वारा आदेशित किया गया कि जल्द से जल्द मयन और उसके यान का पता लगाया जाए और रिपोर्ट किया जाए क्योंकि मयन का लापता होना पुरे मिराकश और रायनीज़ फौज के लिए बहुत बड़ा नुकसान था जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती थी।

सूचना मिलते ही मयन की खोजबीन शुरू हों जाती है पर ना ही मयन की टीम की कोई जानकारी मिलती है और ना ही मयन के यान की ।

अब जब ये साफ ही जाता है कि मयन की टीम पूरी तरह से लापता हों चुकी है तो इस सन्देश को सर्व साधारण को बता दिया जाता है कि गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स लापता हों चुकी और खोजबीन चालू है।

लापता होने की खबर मिलते ही मयन का पूरा परिवार का हाल बेहाल हो जाता है । और साथ ही बाकी टीम जो मयन की थी उनके परिवार भी बहुत दुखी हों जाते हैं।

पूरा रायना और मिराकश मयन की टीम के सुरक्षित होने की दुआएं करने लगता है।

इधर मयन भी यह समझ चुका था कि मिराकश से उसके खोजबीन का अभियान चलाया गया होगा । पर वह किसी भी प्रकार से कैद में होने की वजह से घबराता नहीं है और ना ही परेशान होता है ।

काफी दिन तक मयन और उसकी टीम डायनीज़ो की कार्यशाली को बारीकी से समझती रहती है और उनकी जेल से बाहर निकलने की युक्ति पर भी विचार करती रहती है ।

मयन अब उन सुरक्षा गार्ड्स की नियमित दिनचर्या पर नज़र रखने लगता है जिनकी ड्यूटी जेल में लगी थी । और उसे समझ आता है कि गार्ड्स एक निश्चित समय के बाद अपनी जगह बदल देते हैं और कुछ देर तक रेस्ट करने भी जाते हैं और यही वो 5 मिनट का टाइम है जब किसी गार्ड की नज़र कैदियों पर नहीं रहती । तब मिशी पूछती है कि हम लोग जेल कि दीवारे कैसे तोड़ेगे और इनका गेट जो आटोमेटिक लॉक अनलॉक होता है उसको कैसे खोलेंगे, तब मयन कहता है कि मैंने देखा है कि जब गार्ड्स अंदर आते हैं याँ बाहर जाते हैं तो ये गेट्स अपने आप ही खुल जाते हैं और बंद भी हों जाते हैं । इसका एक ही मतलब हों सकता है कि ये गार्ड्स ही इन तालों की चाबी हैं मतलब इन गार्ड्स के पास कोई गैजेट हो सकता है या कोई चिप जिसको यहां लगे सेंसर डिटेक्ट कर लेते होंगे और गेट खुल जाते हैं ।

तब मिशी कहती है इसका मतलब यहां से गार्ड्स के साथ ही निकला जा सकता है और ये कैसे हो सकता है कि वो लोग हम लोगों को निकलने देंगे।

मयन कहता है बात तो तुम्हारी सही है पर इसका भी एक उपाय मैंने निकाल लिया है। मिशी कहती है वो क्या है...?

मयन कहता है कि हम लोग एक ड्रामा करेंगे और दो लोग बेहोश होने का नाटक करेंगे और बाकि तीन लोग आपस में तेज़ बहस करते हुए

झगड़ पड़ेगे तो जब किसी गार्ड की नजर हम पर पड़ेगी तो हमें इस स्थिति में देख कर वो लोग अंदर आएंगे और हमें ले जायेगे किसी बड़े अफसर के पास और ये वो मौका होगा जब हम इस जेल की दीवारों से बाहर होंगे ।

मिशी और दूसरे साथी पूछते हैं कि इसके आगे क्या.....

क्या वो लोग हमें यहां से ऐसे ही निकल जाने देंगे । तब मयन कहता है इसके बाद ही तो हमारी असली परीक्षा है क्योंकि जब हमें ये लोग ले जा रहे होंगे तब हम इन्ही के साथ और झगड़ा करेंगे जिससे गुस्सा होकर ये लोग अपने हथियार बाहर निकल लेगे। और हमें जो ट्रेनिंग के दौरान फाइट करना सिखाया गया था उसी तरह हम इनसे लड़ेंगे और हथियार छीन कर किसी सुरक्षित जगह की ओर भागेंगे और कोई डायनीज़ यान खोजेंगे जो हम लेकर यहां से भाग सकें । मिशी कहती है प्लान तो अच्छा है लेकिन रिस्क भी उतना ही ज्यादा है क्योंकि इस बार पकडे जाने पर हमारी सजा बढ़ा दीं जायेगी और हो सकता है हमें अलग अलग कैद कर दिया जाए, इसलिए हमारे पास कोई दूसरा मौका नहीं है।

मयन कहता है कि हमारी ट्रेनिंग आज काम आएगी।

और मयन ने जैसा प्लान बनाया था उसकी टीम वैसा ही करती है और देखते ही देखते वो लोग गार्ड्स की आँखों में धूल झोंककर कैद से निकल जाते हैं और कहीं छुप जाते हैं ।

डायनीज़ कमांड को उनके भागने की सूचना दी जाती है और उनकी खोज शुरू हों जाती है ।

मयन को जैसे ही मौका मिलता है वो अपनी टीम के साथ एक पुराने बंद पड़े डायनीज़ यान के अंदर जाता है उसके तकनीकी उपकरणों को चेक करता है। और ये क्या.... यान तो काम ही नहीं कर रहा था तब ग्रज कहता है... मै किसी भी तरह के यान को सुधार सकता हूं। ग्रज चेक करता है तो उसे पता चलता है कि यान के इंज़न की वायरिंग में कुछ फाल्टस थे जिन्हे वो कुछ समय में ही ठीक कर देता है। अब इंजन स्टार्ट हों जाता है और यान को ग्रज वहाँ से बाहर निकालने के लिए उड़ाना शुरू कर देता है लेकिन ये क्या... इस पुराने यान को उड़ता देख डायनीज़ सिपाहियों ने सोचा कि ये यान तो अब सेवा में नहीं है फिर इसे कौन उड़ा रहा और चेक करने के लिये उसके पीछे दो यान जाते हैं और उन्हें पता चलता है कि और कोई नहीं ये तो मयन और उसके साथी ही थे जो यान ले जा रहे थे।

यह खबर हर जगह फैला दी जाती है कि इस यान को भागने ना दिया जाय।

सब यान उसके पीछे लग जाते हैं । अब मयन मिशी से कहता है कि यान के फाइटिंग उपकरणों को एक्टिवेट करो और लड़ाई करने के लिए तैयार हो जाओ ।

मिशी कहती है - यस कैप्टेन!!

और फायर करना शुरू कर देती है, अब जो भी यान सामने आता है उसको कुचलते हुए गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स की टीम डायना के कमांड सेंटर से काफी दूर निकल चुकी होती है । अब यान की गति बढ़ाते हुए मयन की टीम सीधे रायना की तरफ प्रस्थान करती है ।

जब मयन का यान रायना के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर जाता है तो मिराकशी यान दुश्मन यान को अपनी ओर आता देख उसकी घेराबंदी करना शुरू कर देते हैं और ये चेतावनी भी देते हैं कि अगर सरेंडर नहीं किया तो मारे जाओगे।

उधर मयन चुपचाप सरेंडर कर देता है और उनके साथ चल देता है । मयन की टीम इस वाक़्या को देखकर मन ही मन खुश हों रही थी कि जब सबको ये पता चलेगा कि दुश्मन यान में मयन और उसकी टीम है तो कितना आश्चर्य से भर जायेंगे ।

और होता भी ऐसा ही है कि जब मयन और बाकी टीम को सब देखते हैं तो अचरज से भर जाते हैं और उनके परिवारों को सबसे पहले सूचना दी जाती है कि उनके बच्चे सुरक्षित हैं और वापस भी आ गए हैं ।

सबके परिवार वाले तुरंत उनसे मिलने आ जाते हैं और उनका हाल चाल पूछने लग जाते हैं ।

कुछ देर बाद एक रायनीज़ अफसर आता है और कहता है कि मयन और उसकी टीम काफी दिनों से लापता थी और दुश्मन के कब्ज़े में थी इसलिये सबसे ज्यादा जरुरी उनकी स्वास्थ्य की जांच है इसलिए उन्हें तुरंत हॉस्पिटल भेजा जा रहा है और स्वस्थ होते ही परिवार वाले और शुभचिंतक उनसे मिल सकेंगे.।

और उन्हें वहाँ से ले जाया जाता है । 3 दिन के बाद ही सब लोग स्वस्थ हों जाते हैं और अपने अपने निवास स्थान पर भेज दिए जाते हैं ।

सब बच्चों को वापस सही सलामत पाकर उनके परिवार वाले ईश्वर का लाख लाख शुक्रिया करते हैं ।

दो दिन बाद एक सभा की जाती है जिसमें मयन और उसकी टीम से उनके लापता होने के दिनों में किये गए संघर्ष के बारे में बारीकी से पूँछा जाता और डायनीज़ो के बारे में भी जानकारी ली जाती है ।

मयन अपने कैद के दिनों को विस्तार से समझाता है और ये भी बताता है कि कैसे मुश्किलों की घड़ी में उसने कैद हों जाने का कठिन फैसला किया था और आज उसके सही निर्णयों के कारण ही वो और उसकी टीम सही सलामत वापस आ सकी है।

सभी तरह के प्रश्नों के उत्तरप्रदेश जानने के बाद गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स को सबसे खतरनाक मिशन से सुरक्षित और बेहद अहम् जानकारियों के साथ लौटने का सम्मान दिया जाता है । सभी लोग उनको सम्मानित होता देख तालियाँ बजाते हैं ।

………………………………………………………………………………………..

Chapter 14- मिशन डिजिनाकस

मयन की वापसी के बाद मयन को कैप्टेन की पोस्ट बढाकर प्रमोशन देकर सुपर कैप्टेन बना दिया जाता है और उसके मम्मी पापा उसकी तरक्की देखकर बहुत खुश होते हैं ।

अब रायना कमांड सेंटर में मीटिंग की जाती है और मयन को मिराकश ग्रह पर भेजना सुनिश्चित किया जाता है क्योंकि मिराकश के लोगों को भी मयन के अनुभवों से बहुत कुछ सीखना था जो रायना के लोग देख चुके थे ।

अब मयन और उसका परिवार मयन के साथ मिराकश ग्रह की ओर निकल जाते हैं। मयन के साथ उसकी टीम को भी साथ भेजा गया जो अब मिराकशी लोगों को ट्रेनिंग देंगे।

मयन के मन में मिराकश ग्रह को लेकर कौतूहल था कि मिराकश ग्रह कैसा होगा जिसकी इतनी चर्चा उसने कई सालों से सुन रखी है ।

मयन और टीम बहुत उत्साहित होकर मिराकश पहुँचते हैं, जहां उन सबका भव्य स्वागत किया जाता है ।

मयन ने सभी मिराकशियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि -" गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स " की टीम पूरे मिराकश को धन्यवाद कहना चाहती है क्योंकि ये मिराकश ही है जिसके नेक विचारों की वजह से धरती जैसे कई ग्रहों के लोग प्राणी जीव जंतु आज सुरक्षित महसूस करते हैं और मै भी उन्ही लोगों में से एक हूं जो डायनीजों जैसे खतरनाक प्रवृत्ति के लोगों का सताया हुआ हूं और अब जब मिराकश की कमांड ने उसको मौका दिया है अपने जैसे मुसीबत में फसे लोगों की सहायता करने का तो वह पुरे मन और लगन से मिराकशी अभियान में अपनी सेवाएं दे रहा हूं !!'

मयन के विचारों से वहाँ की आम जनता बहुत प्रभावित हुई और सबने एक स्वर में - मयन... मयन.... मयन.... कहना शुरू कर दिया

और मयन हाथ आसमान में किये उन सबका शुक्रिया अदा करता है ।

कुछ दिनों बाद मयन ट्रेनिंग शुरू करता है और कुछ ही हफ्तों में वह अपने जैसे कई सिपाही तैयार कर देता है जो अब मिराकाश की सेना का हिस्सा बनकर अलग अलग ग्रहों पर चल रहे मिराकशी सहायता अभियानों में अपनी सेवाएं देने के लिए पूरी तरह से तैयार हों चुके थे ।

मयन भी अपने जैसे सिपाहियों को तैयार करके अपनी भूमिका और उत्तरदायित्व निभाकर ख़ुशी महसूस करता है ।

मयन ट्रेनिंग के दौरान ही मिराकश की प्रशासनिक सामाजिक शैक्षिक राजनैतिक आदि व्यवस्थाओं का बारिकी से अवलोकन करता है और उसे समझ आता है कि सभी विभाग या डिवीज़न एक कण्ट्रोलिंग सेंटर से जुड़े हुए थे ।

सभी डिवीज़न अपने अपने किये जा रहे कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन कण्ट्रोल सेंटर को भेजते रहते हैं और सेंटर से नियमित रूप से निर्देश और आदेश भी प्राप्त किये जाते हैं।

मिराकश पर पुलिस हेल्प और सपोर्ट के लिए है क्योंकि वहाँ क्राइम, फ़्रॉड आदि न के बराबर होते हैं और वो भी इसलिए क्योंकि लोग स्वयं

ही इतने जागरूक, ईमानदार, सदाचारी और कर्त्तव्यनिष्ठ हैं । अगर एक आदर्श समाज की कल्पना जिस रूप में की जा सकती है, वही सामाजिक व्यवस्था मिराकश में परिलक्षित होती है ।

इसके बाद मयन की टीम शिक्षा व्यवस्था का अवलोकन करने जाती है जिसे जानने ले लिए वे लोग एक प्राथमिक पाठशाला में जाते हैं और देखते हैं कि बच्चे किसी क्रमिक पाठ्यक्रम व्यवस्था में पढ़ाई न करके स्वयं की इच्छा के अनुरूप विषयों का अध्ययन कर रहे होते हैं, और टीचर की भूमिका सिर्फ एक मार्गदर्शक और सलाहकार की दिखाई देती है। मयन समझ जाता है कि बच्चे शिक्षक केंद्रित न होकर बालकेंद्रित व्यवस्था के तहत शिक्षा ग्रहण कर रहे होते हैं । फिर मयन बच्चों से मिलकर बातचीत भी करता है, बच्चे मयन से मिलकर बहुत खुश थे क्योंकि मयन को वे सब जानते थे, मयन की बहादुरी और बुद्धिमानी के किस्से उन्होंने सुन रखे थे और उन सब के लिए मयन प्रेरक व्यक्तित्व के रूप में होता है... और बच्चे बताते हैं कि वो सभी मयन के जैसा बनना चाहते हैं ।

इसके बाद मयन उच्च शिक्षा केंद्र की ओर जाता है, जहां शिक्षार्थी प्रयोग और अनुसन्धान आधारित शिक्षा व्यवस्था के तहत विषयों का अध्ययन कर रहे होते हैं, मयन उनको देखकर उत्साहित होता है और उच्च शिक्षा ग्रहण करने की अपनी इच्छा जाहिर करता है । इसके लिए मयन की टीम वहाँ के प्रिंसिपल से बात करता है कि वे लोग भी उच्च शिक्षा

ग्रहण करना चाहते हैं । तब प्रिंसिपल मयन से खाते हैं कि आप लोगों को शिक्षा देकर हमें भी गौरव की अनुभूति होगी।

और इस तरह मयन की टीम जब तक मिराकश पर रहती है, तब तक जितना समय मिलता है, उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं।

मयन देखता है कि मिराकश के लोग कार बस रेल आदि की जगह हाईपारलूप से यात्रा करते हैं जिसकी गति अति तीव्र होती है और कुछ ही क्षणों में एक जगह से दूसरी जगह आसानी से पहुंच भी जाते हैं ।

मयन ये सभी उत्तम व्यवस्थाओं को देखकर अति प्रसन्न होता है और सोचता है कि काश ब्रह्माण्ड में सभी जगह मिराकश जैसे ही सभ्य और सुसंस्कृत सभ्यता का विकास हो ।

मिराकश पर कई महीने गुज़ारने के बाद मयन को फिर से धरती मिशन पर जाने के लिए रायना से बुलावा भेजा जाता है । और मयन भी इस बुलावे का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था।

इधर मयन और उसकी टीम के घर वाले भी उनसे मिलने को बेक़रार थे और उनके रायना लौटते ही नियारा में ख़ुशी का माहौल बन जाता है । मयन के कमांडिंग अफसर ने मयन को बताया कि मिराकश और रायना की मिश्रित सेना अब और अधिक कुशल और शक्तिशाली बन चुकी है

जिसमें मयन का व्यक्तिगत बहुत योगदान भी है और उसकी टीम का भी। लेकिन दामोरो के दमनकारी फैसलों से धरती के साथ साथ कई ग्रहों पर तहलका मचा हुआ है जिसको ख़त्म करने और डायनीज़ो के इस भयावह तांडव को रोकने का समय आ चुका है ।

मयन - “सर, उनको तो हम पहले ही रोकते आये हैं, तब इस अभियान में नया क्या है ? “

अफसर - “ तुम ठीक कहते हो कैप्टेन, लेकिन अब जो मिशन शुरू किया जा रहा है, उसका नाम ही डिजिनाकस है?

मयन -“ इसका क्या मतलब हुआ? “

अफसर - “ मिराकश पर इस शब्द का अर्थ है - दुश्मन का मुँह कुचल देना “

मयन इतना सुनते ही इस नये मिशन को समझ जाता है कि ये वही अंतिम और निर्णयक मिशन है जिसका उसको भी इंतज़ार था कि वह दिन कब आएगा जब पूरी ताकत के साथ डायनीज़ो पर हमला बोलकर उनके आतंक का खात्मा कर दिया जाय ।

मयन - “ लेकिन धरती पर डायनीज़ों पर अचानक हमला करने से वहां फसे लोगों को भी जान माल का नुकसान होगा, फिर?? “

अफसर - “ ये बात तो हमने पहले ही सोच ली थी और इसी कारणवश मिराकश ने अभी तक सुरक्षात्मक रवैया ही अपनाया है, और धरती पर फसे 99 % लोगों को वहां से सुरक्षित निकाल लिया है । “

मयन, मुस्कुराते हुए -“ अच्छा, अब दामोरो की खैर नहीं !”

मयन और उसकी टीम को 2 दिन का रेस्ट देकर अंतिम मिशन को लीड करने का ऑफिसियल लेटर दिया जाता है ।

....

Chapter 15 - पूरी ताकत से हमला करो

दामोरो ने पृथ्वी के साथ साथ कई ग्रहों पर तबाही मचा रखी थी, जिन जिन पर भी जैविक,भौतिक और भौगोलिक संसाधन मौजूद थे । दामोरो

का असली मकसद कब्ज़ा करके अपना प्रभुत्व स्थापित करना और बहुमूल्य वस्तुओं को लूटना ही था ।

जबसे मयन की टीम को कैद कर लिया था, तबसे दामोरो और भी अहंकारी स्वाभाव का हो चुका था क्योंकि मयन की टीम मिराकशी फ़ौज की सबसे कुशल और बहादुर टीम थी और उसे पकड़कर पूरे मिराकश को सोचने पर मजबूर कर दिया था ।

लेकिन दामोरो को यह भ्रम भी था कि मयन और उसकी टीम डरकर भागी है और फिर कभी वापस प्रतिकार हेतु नहीं आएगी ।

मयन -" जिरान, अब हमें और भी संगठित होकर डायनीज़ों से निपटना होगा । "

जिरान -" बिलकुल मयन, हम पुरे मन से तुम्हारे आदेशों का पालन करने के लिए तैयार हैं । "

मयन अपने परिवार से मिलने जाता है और सबसे पहले अपने मम्मी पापा से मिलता है और अंतिम निर्णायक लड़ाई के लिए आशीर्वाद लेता है।

मयन के पिताजी उसे कहते हैं - " बेटा किसी भी परिस्थिति में अपना हौसला मत खोना और धैर्य बनाये रखना। हमें तुम पर बहुत नाज़ है। "

सैनी अंकल -" मयन बेटा, हम सब फिर से धरती पर जाकर अपने अपने निवास स्थान पर रहना चाहते है, और ये सब तुम ही मुमकिन करवा सकते हों और सभी रायनावासियों, मिराकशियों और धरतीवासियों के मान की रक्षा तुम्हारे हाथों में है । "

मयन - " बिलकुल, अंकल.... ऐसा ही होगा!"

मम्मी -" बेटा, ख्याल रखना अपना, हम सबकी दुआएं तुम्हारे साथ हैं !"

दादा दादी - मयन बेटा, जल्दी से ये खुशखबरी लेकर आओ कि धरती से डायनीज़ो का खात्मा हों चुका है या वो भाग चुके हैं !

मयन - हाँ, दादाजी, दादीजी.... मेरा पूरा प्रयास रहेगा।

मीरा - भैया, मुझे धरती पर जाकर फिर से अपने दोस्तों के साथ घर के पास वाले पार्क में खेलने का मन करता है, आप लड़ाई करके भगा दो... उन डायनीज़ों को!

मयन - हाँ, मेरी गुड़िया बहन..... मै जल्दी ही लौटकर आता हूं और सबको लेकर धरती पर चलूँगा जहां पर सब ख़ुशी से फिर से रह सकेंगे ।

मिशन डिजिनाकस के लिए निकलना -

इस तरह सबसे विदाई लेकर गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स की टीम और उनके पीछे मिराकशियों की फ़ौज का पूरा काफ़िला चल देता है जो सिर्फ मयन से आर्डर और निर्देश प्राप्त करेगा और भयंकर लड़ाई भी लड़ेगा ।

जब मयन का काफ़िला बीच रास्ते में ही था, तब मिशी कहती है कि,,मयन,, ये बताइये, इस बार आपकी क्या रणनीति है क्योंकि अब तो दामोरो भी अपनी गतिविधियों से परिचित हो चुका है ?

मयन - चिंता मत करो, मिशी... इस बार मै ऐसा प्लान बनाया हूं जिसे दामोरो सपने में भी नहीं सोच सकता है । और उसी के हिसाब से समय समय पर हम लोग डायनीज़ों पर कार्रवाई करेंगे ।

मिशी कहती है - मुझे अपने कैप्टेन पर पूरा भरोसा है ।

मयन - तो फिर शुरू करते हैं मिशन डिजिनाकस!!

और इस क्रम में सबसे पहले हम लोग दुश्मन की पूरी ताकत का विश्लेषण करेंगे और इसके बाद अपनी पूरी शक्ति का आंकलन भी करेंगे जिससे हमें ये पता चले कि उनकी कौन सी कमजोर कड़ी है जिस पर हम अपनी पूरी ताकत से प्रहार करेंगे और उनकी कमर तोड़ देंगे ।

इतना सुनते ही जिरान अपने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से तुरंत युद्ध विश्लेषण करके बताता है कि डायनीज़ो की कमजोर कड़ी ये है कि वो लोग मिराकशी यानो को देखकर अपनी पूरी ताकत से हमला करते हैं और अपने दस्ते के सबसे सुपर फाइटर यानो को उनके पीछे लगा देते हैं।

मिशी कहती है कि इसमें उनकी कमजोर कड़ी न होकर मजबूत पक्ष ही है।

तब मयन ने कहा कि जिरान ठीक कह रहा है क्योंकि जब डायनीज़ अपनी कुशल सेना कुछ मिराकशी यानों के पीछे एक मोर्चे पर ही लगा देते हैं और अन्य मोर्चे पर कमजोर सेना ही रह जाती है जिसका फायदा उठाकर हम अपनी मजबूत सैनिक टुकड़ी और अत्याधुनिक यान उन्हीं अन्य मोर्चे पर लगाकर हमला करेंगे जिससे डायनीज़ों में खलबली मच जाएगी ।

मयन की बात सुनकर मिशी कहती है - परफेक्ट प्लानिंग, कैप्टेन।

मयन कहता है सभी यानो को ये निर्देशित किया जाय कि 10 % यान जो सबसे पुरानी तकनीकी पर आधारित हैं, वे सब मेरे यान के साथ डायनीज़ो पर सामने से जाकर ताबड़तोड़ हमला करेंगे और भारी नुकसान करके मौका मिलते ही पीछे हटेगे और भागने की कोशिश करेंगे जिससे परेशान होकर सुपर डायनीज़ यान हमारे पीछे पीछे लग जायेगे, तब तक मौका पाकर शेष 90% सुपर यान उनके कमजोर मोर्चे पर अटैक करके उनको भारी क्षति पहुचायेंगे ।

सभी यानो से रिप्लाई आता है - कॉपी दैट, सार्जेन्ट!!

अब मयन का पूरा काफ़िला धरती के पास पहुंच चुका था और डायनीज़ों के राडार सिस्टम में भी मिराकशी हलचल समझ में आ जाती है और डायनीज़ दस्ता सतर्क हो जाता है । मयन भी यही चाहता था कि डायनीज़ परेशान होकर कोई निर्णय ले और होता भी ऐसा ही है, सुपर डायनीज़ यानों का काफिला मयन की तरफ बढ़ता है, तभी मयन फिर से कहता है -   “यही सही समय है, बाकी 90% सुपर यान हमसे अलग होकर दूसरी दिशाओं में जाकर अटैक शुरू कर दें। “

मयन और 10% यान डायनीज़ो के काफ़िले पर अटैक शुरू कर देता है और युद्ध शुरू हो जाता है, और तब तक मौका पाकर शेष अत्याधुनिक

मिराकशी यान अन्य जगह जाकर अटैक शुरू कर देते हैं । दोनों ही जगह डायनीज़ों को भारी नुकसान होता है।

मयन के यान के साथ जितने यान थे, अब पीछे हटने लगते हैं और पीछे लग जाते हैं .... ऐसा होते ही मयन डिफेन्स मोड एक्टिवेट करने को कहता है और सभी यान सुरक्षित होते हुए मयन के साथ मोर्चे से पीछे हट जाते हैं ओर दूसरी दिशाओं में चले जाते हैं जिनके पीछे पीछे सुपर डायनीज़ यान चले आ रहे थे जो लगातार हमलावर भी थे ।

तभी डायनीज़ों से परेशान होकर मिशी कहती है -“ कैप्टेन सर, हम पर हमला हो रहा है और हमारा यान तो डिफेन्स मोड में सुरक्षित है लेकिन अन्य यान जिनकी तकनीक पुरानी हो चुकी है और हमारे साथ ही उड़ रहे हैं, उन पर डायनीज़ हमला कर रहे हैं जिससे कई यान असुरक्षित हों गए हैं और क्षतिग्रस्त भी हो चुके हैं, कोई आदेश करें सर!!

मयन कहता है एक U -टर्न लेते हुए अपने यान को आगे करो और सभी यानो को अपने यान को कवर देने को कहो और फिर डायनीज़ों पर सबसे खतरनाक लेज़र्स और मिसाइलों से हमला करो ।

मिशी ऐसा ही करती है और सामने आकर डायनीज़ों पर ताबड़तोड़ हमला भी करती है, जिससे कुछ डायनीज़ यान नष्ट हो जाते हैं । लेकिन मयन के यान को अटैक मोड में लाने से डिफेन्स मोड हटाते ही उस पर जो अटैक किये जा रहे थे उससे उसका मुख्य इंजन तबाह हो जाता है और मयन तुरंत वहाँ से निकल कर बाकी शेष 90% यान जिन दिशाओ में जाकर तबाही मचा रहे थे, उधर चलने को कहता है ।

ग्रज पूरी तेज़ी से वहां से अपने काफ़िले को बाहर निकल कर ले जाता है जिसके पीछे अभी भी डायनीज़ यान लगातार हमलावार थे और कुछ मिराकशी यान क्षतिग्रस्त होकर गिर जाते हैं जिसकी सिपाही, कैप्टेन और पायलट आदि सदस्यों को गंभीर चोटें आती हैं और पैरासूट बैग के साथ क्षतिग्रस्त यानों से एजेक्ट कर जाते हैं यानी बाहर निकल कर किसी सुरक्षित जगह पर लैंड कर जाते हैं ।

बाकी यान मयन के यान के पीछे चल रहे थे और एंटी मिसाइल छोड़ते हुए खुद का बचाव करते जा रहे थे ।

....

Chapter 16- मयन को क्या हुआ है?

गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स की टीम के पीछे पीछे चले आ रहे सारे यान अब वहाँ जा पहुंचे थे जहां पर बाकी मिराकशी यान मोर्चे पर डटे हुए थे । मयन ने वहाँ पहुँचते ही सभी यानों को ये निर्देशित किया कि सभी यान सतर्क हो जाएँ क्योंकि डायनीज़ों के सुपर यान हमारे पीछे आ रहे हैं और उन पर एक साथ सब मिलकर हमला कर दो जिसके लिए तीर नुमा आकृति बनाकर सभी यान क्रम में लग जाओ और फिर अपने यान को फुल तेजी के साथ उनके काफ़िले के बीच से अटैक करते हुए निकल जाना है और उनकी ज्यादा से ज्यादा क्षति करना है ।

निर्देशित होते ही सारे यान ऐसा ही करते हैं और डायनीज़ों को चीरते हुए निकल जाते हैं, और हमला करके कई यानो को मार गिराते हैं ।

डायनीज़ों को अब तक हुए युद्ध में भारी नुकसान हुआ था और साथ ही मिराकश को भी, लेकिन मिराकशियों ने डायनीज़ों को ज्यादा चोट पहुंचाई थी। अब जब डायनीज़ों की कमर टूट चुकी थी, ऐसे में दामोरो अपने सुपर यान के साथ आता है और मयन के काफ़िले पर ताबड़तोड़ हमला शुरू कर देता है, इससे पहले कि मयन डिफेन्स में कुछ कर पाता दामोरो ने उसके कई यान नष्ट कर दिए । परेशान होकर मयन ने अपने काफ़िले को पीछे हटने का आदेश दिया ।

मयन ने हटकर दामोरो के ऊपर अपना सबसे घातक मिसाइल अटैक किया लेकिन दामोरो ने उसे भी विफल कर दिया क्योंकि उसके यान का डिफेन्स सिस्टम बहुत ही उन्नत था जिसका तोड़ मिराकशियों के पास भी नहीं था।

मयन को जब यह समझ आ गया कि दामोरो से लड़ने का अभी समय नहीं तो तुरंत उसने पीछे हटने में ही समझदारी दिखाई और सभी यानों को वहाँ से सुरक्षित निकलने और धरती पर उतर गए साथियों को लेकर निकलने को कहा ।

मयन के आदेश पर डिफेन्स मोड ऑन करते हुए सभी यान वहाँ से रफू चक्कर हो गए।

रायना पहुँचते ही युद्ध का पूरा विश्लेषण किया गया और भविष्य में फिर से मिशन डिजिनाकस 2 की तैयारी की बात रखी गयी जिसमें सबसे ज्यादा इस बात पर ध्यान दिया गया कि मिराकशियों के पास वो पावर या तकनीक नहीं है जो दामोरो के यान का डिफेन्स सिस्टम तोड़ सके ।

एक बात जो कोई गौर नहीं कर रहा था और वो ये कि मिशन डिजिनाकस की असफलता का मयन खुद को जिम्मेदार मान रहा था और इसी के कारण वह लगातार अपराध भाव में ही जी रहा था और लगातार यही सोच रहा था कि वह कैसे दामोरो से हार गया आखिर उसने और कोई तरक़ीब क्यों नहीं लगाई जिससे वह दामोरो को मात दे सकता था ।

पर अब सोचने से कुछ होने वाला नहीं था और ये बात मयन भी अच्छे से जानता था पर मिशन की हार उसके गले नहीं उतर रही थी। जब वह सबसे मिलता तो औपचारिकता वश हँसता मुस्कुराता लेकिन किसी से अपने मन की सच्चाई बयान नहीं कर सका और अपराध भावना की गंभीर परतों में फंसता ही चला गया जिससे उसे भूख और नींद कम लगने लगी और इसका हर हाल में इसी बात का हल खोजने में दिन व्यतीत करने लगा कि आखिर वह हार कैसे गया और क्या ऐसा कर सकता था जिससे ना हारता ।

मयन की लगातार बिगड़ती हालत ने उसके मम्मी पापा को भी चिंतित कर दिया था और सब लोग यही जानना चाहते थे कि आखिर क्या वजह है जिससे मयन इतना परेशान रहता है । सब अपना अपना दिमाग़ दौड़ाते रहते । कोई कहता बढ़ती उम्र का तक़ाजा है तो कोई

कहता मिशन की हार इस बात का कारण है... तो कोई कहता मयन मिशन की तैयारियों में लगा है पर कोई उसके मन के इस द्वन्द को न समझ सका कि मयन एक तरफ तो परिस्थिति को हार का कारण मानता है और एक तरफ खुद को मानता है पर ये निश्चय नहीं कर पा रहा है कि आखिर क्या कारण है और अगर उसे कोई बताता भी कि दामोरो की अति शक्तिशाली यान तकनीकी ही इसका असल कारण है पर ये बात सोचते ही मयन ये सोचता कि दुश्मन के पास तो कोई न कोई शक्ति होती ही है पर उसने कुछ उपाय क्यों नहीं निकल पाया या दुश्मन की चाल को क्यों नहीं भाँप सका, तो आखिर इस बार कैसे हार गया, हर बार तो कोई न कोई तरक़ीब निकाल लेता था और एक बार तो दामोरो ने उसे पकड़ भी लिया था फिर भी उसके मजबूत इरादों ने दम नहीं तोड़ी थी फिर आखिर इस बार कैसे वह हार गया ।

और यह सोच सोच कर मयन का लगातार बुरा हाल होता गया और यह होते हुए सब लोग देखते रहे पर कुछ कर न सके और एक टाइम ऐसा भी आया कि मयन ने सबसे मिलना जुलना तक बंद कर दिया था, यहां तक कि अपने दोस्त और अपनी टीम जिसके बिना वह नहीं रहता था... उनसे भी दूरी बना ली और पूरा दिन रात उसके लिए एक सामान ही थे क्योंकि उसे न खाना की फ़िक्र न सोने की न ही किसी से मिलने जुलने की ही थी।

जब इस बात का पता उसके अफसर लोगों को चला कि मयन का व्यक्तित्व पहले जैसा नहीं रहा तो उन्होंने उसकी मदद करने के लिए उसको अकादमी से कुछ दिन की दूरी बनाने की सलाह दी और खुद के लिए वक़्त निकलने को भी कहा पर इससे भी मयन खुद की उलझनों से दूर नहीं हो पाया था।

मन की गहराईयों में गोते खाता मयन अब डिप्रेशन जैसी खतरनाक मानसिक अवस्था में जा पहुंचा था क्योंकि डिप्रेशन एक ऐसी निराशा अवस्था है जिसमें एक मनुष्य बीती बातों को इतना सोचता है कि उनके परिणामों अपेक्षाओं आदि से वह बाहर नहीं निकल पाता और आत्म ग्लानि की भयंकर अवस्था में पहुंच जाता है।

चूँकि मयन ने ऐसा कुछ पहले कभी अनुभव ना किया था इसलिए उसे बहुत ही बुरा महसूस हो रहा था और कोई रास्ता इन उलझनों से निकलने का उसे नहीं दिखाई दे रहा था । इस अवस्था में भी उसके बार बार मना करने पर भी उसके सबसे खास दोस्त जिरान उसको इस अवस्था में नहीं साथ छोड़ा और उसके गुस्सा करने पर भी उसके आस पास ही बना रहा ताकि मयन को अच्छा महसूस हो सके।

मयन को या जिरान को तो ये पता ही नहीं था कि वह किसी मानसिक विकार से ग्रसित हो चुका है और ना ही किसी परिवारी जन को ही इस बात की भनक थी ।

....

Chapter 17 - किनेमो पत्थर

समय बीतता गया और मयन की बिगड़ती मानसिक स्थिति का असर उसके व्यक्तिगत और सामजिक जीवन पर साफ दिखाई देने लगा था, वह किसी भी बात पर नाराज़ हो जाता या किसी से कुछ भी न कहता और चुपचाप ही रहता, किसी से बहुत देर तक बहस करता तो कभी किसी बात का जवाब तक देना उचित न समझता ।

जिरान और उसके परिवार वाले मयन को ठीक ठाक देखना चाहते थे इसलिए वो हर प्रयास करते जिससे मयन को खुशी हो पर मयन ने तो जैसे निराश रहने का ही मन बना लिया हो और जो भी हो मयन जिन हालातों से गुजर रहा था उसमे वह जिम्मेदार न होकर नियति जिम्मेदार थी जिसका विश्लेषण कर पाना किसी के वश में न था और नियति के हाथों का खिलौना बन मयन अपनी मानसिकता का गुलाम बन चुका था और चाहते हुए भी सकारात्मकता को स्वीकार नहीं कर पा रहा था ।

अब मयन को धीरे धीरे अपनी ही कार्यशैली पर शक होने लगा था कि हो न हो उसके नकारात्मक विचार ही उसके अटपटे व्यवहार का मूल कारण बन चुके हैं तब मयन ने अपने मन में अंततः ठान ही लिया कि उसे किसी भी तरह इन परिस्थितियों से बाहर निकलना होगा और उसने तभी से सकारात्मक विचारों को अपनाना शुरू कर दिया और इसमें उसके दोस्त जिरान ने भी काफ़ी मदद की साथ ही परिवार वालों ने भी उचित साथ दिया और ज़ब भी मयन के दिमाग पर नकारात्मक विचार हावी होने लगते, वे सब लोग उसको सकारात्मक विचार सोचने को कहते ।

जिरान मयन से कहता कि अगर तुम नकारात्मक विचारों ही उलझें रहोगे तो दामोरो की बढ़ती ताकत को कौन रोक पायेगा क्योंकि जबसे हमारा मिशन असफल हुआ है तबसे उसका साहस कहीं अधिक बढ़ चुका है जिसको रोक पाना लगभग नामुमकिन सा हो चुका है और अब तो हाल ये है कि धरती के पास जाना मुश्किल हो गया है क्योंकि उसने धरती को एक बंद किले जैसा बना दिया है जिसके हर तरफ डायनीज़ यान पहरा देते रहते हैं।

इसलिए मयन भाई हम सबको एक नये सिरे से अगले मिशन की तैयारियों में लगना चाहिए जिससे दामोरो को रोका जा सके ।

जिरान की बात सुनकर मयन उसकी बात को समझ चुका था कि ज्यादा देर करने का कोई फायदा नही है ।

मयन ने जिरान से कहा कि मेरे दिमाग में एक ही बात घूमती रहती है कि आखिर वह क्या करे जिससे दामोरो के यान पर सफल वार किया जा सके क्योंकि उसी का यान है जो पूरी तरह सुरक्षित है साथ ही घातक भी है ।.

तब जिरान मयन से कहता है उसने एक कहानी सुनी है जिसमें एक दैत्य होता है और एक ऐसे ग्रह पर रहता है जो नष्ट विनस्ट हो चुका है लेकिन उस दैत्य के पास एक ऐसा कीमती पत्थर है जिससे गुजरने वाला प्रकाश एक ब्रम्हास्त्र जैसे अस्त्र का निर्माण कर देता है और उसके प्रभाव से बच पाना नामुमकिन है। अगर वो पत्थर जिसका
नाम किनेमो है, अगर वह हमें किसी तरह प्राप्त हो जाए तो दामोरो क्या उसके जैसा अन्य कोई भी हमसे टकराने की भूल न कर सकेगा और किनेमो की मदद से हम सम्पूर्ण प्रानियों की रक्षा कर सकेंगे जो भी इस ब्रम्हांड में मौजूद हैं ।

मयन कहता है तुम्हारी इस कहानी मात्र सुनने से मेरे मन की समस्त उलझनों से निपटने में मुझे एक सहारा मिल गया है क्योंकि मेरा दामोरो को मात देना और प्राणी मात्र की रक्षा करना ही एकमात्र लक्ष्य है।

जिरान, ये बताओ तुमने ये कहानी किससे सुनी है क्योंकि मुझे ऐसा लगता है ये सिर्फ कहानी ही नहीं है सच भी है ।--मयन

जिरान -मेरी दादी अम्मा ने मुझे सुनाई थी और तुम निश्चित रूप से ऐसा कैसे कह सकते हो भाई,?

मयन - क्योंकि इस अनंत ब्रह्माण्ड में जो भी हम सोच सकते हैं वह सब संभव हो सकता है क्योंकि ये ब्रह्माण्ड हमारी सोच से कहीं अधिक रहस्यमयी है । और उस ग्रह पर जो दैत्य रहता है वो भी संभव हो सकता है, साथ में किनेमो पथर भी।

जिरान - तब हमें क्या करना चाहिए, मयन, तुम्ही कुछ बताओ!

मयन - अब हमारा लक्ष्य किनेमो को प्राप्त करना होना चाहिए ।

जिरान - लेकिन हम उस ग्रह को कैसे खोजेंगे...?

मयन --- ये पता करने के लिए हम हर उस ग्रह को खोजेंगे जो नस्ट विनष्ट अवस्था में है या जहां पर कोई सभ्यता रहा करती थी!

जिरान - तो बताओ कब से शुरू करना है - मिशन किनेमो !

मयन - समझो शुरू हो चुका है, बाकी टीम को भी मिशन की जानकारी साझा करो और एक मीटिंग करने को कहो ।

जिरान - बिलकुल मयन, मैं कल सबको बुलाता हूं ।

अगले दिन गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स की टीम मीटिंग करती है जिसमें सबसे पहला प्रश्न मिशी पूछती है कि आखिर वह लोग उस ग्रह का पता कैसे लगाएंगे जिसको वे जानते तक नहीं ?

मयन कहता है कि हमें नकारात्मक विचारों को छोड़कर सकारात्मक ही सोचना पड़ेगा और ये मुझसे बेहतर नहीं समझ सकते तुम लोग क्योंकि मै कई दिनों से सिर्फ नकारात्मक जीवन जी रहा था।

इसके पहले कि हम लोग किनेमो की तलाश में निकलें, बहुत जरुरी बात ये है कि हम कुछ मापदंड तय कर लेते हैं जिससे किनेमो जहां पर मौजूद है.. उसे खोजा जा सके ।

हमें मिरकश के बेस्ट यान को अनभिज्ञ मिशन पर ले जानो होगा क्योंकि अंतरिक्ष में किसी भी प्रकार की समस्या से दो चार होना पड़ सकता है ।

मयन ने अपने मिशन की जानकारी अपने कमांडिंग अफसर को दी जिससे सभी प्रशासनिक अधिकारी और रायना मुखिया बहुत खुश हुए कि आखिर कोई तो रास्ता मिला जिसके दम पर हम दामोरो के मिशन को रोक सकते हैं ।

M45 यान के साथ मयन अपने मिशन पर निकल पड़ता है बहुत दूर निकल जाने के बाद और बर्बादी की कगार पर पहुँच चुके ग्रह और जो

पूरी तरह से बर्बाद हो चुके थे उन सबको खोजता हुआ मयन का सफर कई दिन तक चलता रहा लेकिन अभी तक ऐसा कोई पत्थर या दैत्य नहीं मिला जिसे वे लोग खोज रहे थे ।

खोजते खोजते एक ग्रह पर पहुँचते है जो पूरी तरह बर्फ से ढका हुआ था और उस पर जीवन होने के निशान मौजूद थे क्योंकि बर्फ का मतलब पानी और पानी का मतलब जीवन होता है ।

....

<u>Chapter 18 - मुझे बचाओ कोई</u>

मयन अपनी टीम के साथ किनेमो की खोज के अभियान में रायना से miraq45 यान के साथ निकलता है और सबसे पहले पास के अस्त व्यस्त हालत में पड़े ग्रहों की खोजबीन शुरू करता है लेकिन उसे कहीं कोई ऐसा ग्रह नहीं मिलता जहां पर कोई दैत्य रहता हो या कोई तिलस्मी पथर ही हो ।

इस खोज अभियान में एक बात और है जो ये कि मयन और मिशी के बीच करीबियाँ बढ़ने लगती हैं । मयन जो अब 19 साल का हो चुका है,

वही मिशी 24 साल की हो चुकी है, दोनों के बदलते व्यवहार एक दूसरे की फ़िक्र, और एक दूसरे से बात चीत करते वक़्त की ख़ुशी देखते ही बनती है । पर इस बात का पता न मयन को चला और न ही मिशी को और न ही कभी ये सोचा की आखिर इन बढ़ती हुयी भावनाओं का क्या परिणाम होगा।

बढ़ती उम्र और जवान दिलों के धड़कने की गति अक्सर तेज हो जाती है और इन दोनों के साथ भी ऐसा ही कुछ हो रहा था ।

इसी बीच उनका यान एक बहुत पुराने ग्रह पर उतरता और वे सब यान से बाहर निकल आते हैं । चारों तरफ घने जंगल और बहता हुआ पानी नज़र आ रहा था और लग रहा था मानो धरती पर अमेज़न के जंगलों में उतर आये हों ।

इसके पहले कि वो लोग आगे बढ़ते मयन ने अपनी टीम को थोड़ी देर रूककर वहां के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक पदार्थों के बारे में जानकारी करने को कहा क्योंकि बिना जानकारी के किसी भी ग्रह पर कोई भी खतरा हो सकता है । तब जिरान अपने तकनीकी कंप्यूटर सिस्टम से वहां के क्षेत्र को स्कैन करता है और सुरक्षा सम्बन्धी जरुरी जानकारी जुटाता है और हरी झंडी मिलते ही वो सब आगे बढ़ते हैं ।

प्रथम दृष्टया तो वह ग्रह पृथ्वी के सामान ही प्रतीत हो रहा था, फिर भी सतर्क रहना आवश्यक था । जिरान आगे बढ़ते हुए लगातार कीमती और अद्भुत वस्तुओं का निरीक्षण करते हुए चल रहा था ।

मयन ने सभी से कहा कि ग्रह बहुत बड़ा है इसलिए हमें अलग अलग दिशाओं में जाकर देखना पड़ेगा और इसके लिए हमें 'रौटोबोट्स' की जरुरत पड़ेगी । तभी मिशी कहती है कि वो अभी रौटोबोट्स को सिग्नल देकर यान से अपने पास बुला लेती हूं और मिशी ने अपने हैंडल टूल पर कुछ तकनीकी निर्देश दिए जिससे यान में उपस्थित
5 रौटोबोट्स तुरंत अलग होकर उन सबके सामने उपस्थित हो जाते हैं जिनमे सब लोग सवार हो जाते हैं ।

सारे रौटोबोट्स यान से उड़कर उनके पास आये थे जो एक मिनी कार की तरह हैं और इनमे स्कैनिंग डिवाइस भी लगी हुयी हैं, कैमरा, लाइट्स, सुरक्षा शील्ड, जीपीएस, नेवीगेशन आदि आधुनिक तकनीकों से लैस हैं ।

अब सभी लोग मयन के आदेश पर अलग अलग दिशाओं में बंट जाते हैं और निरीक्षण शुरू हो जाता है ।

अलग अलग दिशाओ में जाने पर पता चलता है कि ये ग्रह बस देखने में ही पृथ्वी जैसा होता है, सच्चाई कुछ और ही थी क्योंकि यहां ले जंगली जानवर बहुत ही भयावह और परभक्षी होते हैं जो चूक होते ही झपट पड़ते हैं और अन्य जानवरों को खा लेते हैं ।

किसी तरह उनकी नज़रों से बचते हुए सब लोग आगे बढ़ ही रहे थे कि तभी एक जानवर की नज़र मिशी पर पड़ जाती है और मिशी भी उसको देख लेती है । दोनों रुक जाते हैं और मिशी उस जानवर को देखने लगती कि आखिर ये किस तरह का हमला करता है या नहीं करता और देखते ही देखते उसने पीछे हटते हुए एक लम्बी छलांग लगा दी और तभी मिशी ने अपने रौटोबोट को पीछे कर लिया लेकिन वो जानवर फिर जम्प मारकर उसपर झपटा और किसी तरह वहाँ से मिशी खुद को बचाकर भागती है लेकिन ये क्या.... उस जानवर ने एक अजीब सी आवाज़ निकालना शुरू कर दिया जिससे वहां पर देखते ही देखते अन्य जानवर भी इकट्ठे हो गए और मिशी की ओर बढ़ने लगे.... तब मिशी ने अन्य साथियों को एक इमरजेंसी मैसेज भेजा कि वह खतरे में है और उसके पीछे बहुत खतरनाक जानवर पीछा कर रहे हैं जिनकी लम्बी सी पूंछ भी है और उनके कान जैसे कोई तोप खाना हों क्योंकि उनके कानो से निकलने वाले आग के गोले लगातार मिशी पर हमलावार थे ।

मयन को जैसे ही पता चलता है कि मिशी खतरे में है और उसे मदद चाहिए उसने तुरंत अपने रौटोबोट को यान की तरफ मूव किया क्योंकि उस बोट में तो कोई लड़ाकू हथियार मौज़ूद नहीं थे जिससे वो मिशी को ना बचा पाता।

इसलिए वह तुरंत यान पर पहुंचा और यान को लेकर मिशी की बताई है लोकेशन को ट्रैक करता हुआ तेजी से पहुँचा और मिशी को कवर फायर देते हुए उन जानवरों का सामना करने के लिए अटैक मोड में उन पर मिसाइल्स से हमला करने लगा ।

सूचना पाकर अन्य साथी भी वहाँ जा पहुंचे और यान में सब लोग अटैच होकर युद्ध की तत्काल परिस्थिति को हैंडल करते हुए मयन के साथ बाकी तकनीकी जिम्मेदारी सँभालते हुए युद्ध करने लगे । मिशी भी यान पर आ चुकी थी ।

यान पर पहुँचते ही मयन को धन्यवाद करते हुए फाइटिंग उपकरण संभाल लिए और उन जानवरों को मुँहतोड़ जवाब देना शुरू कर दिया ।

ये वो पल थे जिनमे मयन और मिशी के बीच नजदीकियां बढ़ रही थीं और दोनों इस बात से अनजान थे कि दोनों एक दूसरे की फिक्र करने लगे हैं। वो जानवर भी और भड़क चुके थे क्योंकि वे वहाँ के मूल निवासी थे और वे परदेशियों की दखल अंदाज़ी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे और लड़ते हुए घायल होते जा रहे थे ।

तभी मयन ने कहा कि अब हम सुरक्षित हो चुके हैं, इसलिए इन निर्दोष जीवो को मारने से बेहतर है कि यहां से निकल कर आगे अपना खोज अभियान शुरू करें । सभी ने मयन की हाँ में हाँ मिलाते हुए खा....
“चलिए चलते हैं कैप्टेन सर! “

और इस तरह मयन वहाँ से निकल कर ग्रह के दूसरे इलाके में जा पहुँचता है जहां सिर्फ पानी ही था और उसमे अनेक प्रकार के जलीय जीव जंतु और वनस्पतियाँ नज़र आ रही थीं
।.. ....

Chapter 19- रोमांटिक सफर

उस क्षतिग्रस्त ग्रह के दूसरे छोर पर बर्फीली चट्टानों के बीच पहुंचकर मयन का यान रुकता है जहां सब तरफ सिर्फ बर्फ ही बर्फ नज़र आ रही थी। और उनका यान पास में ही यह भी डिटेक्ट करता है कि एक बर्फीला तूफ़ान उनकी ही ओर बढ़ रहा है इसलिए वे लोग वहाँ से बचकर निकल जाने में ही ठीक समझते हैं और वहाँ से निकल जाते हैं।

आगे कुछ दूर सुरक्षित जगह यान को रोककर उस जगह की तलाशी शुरू करते हैं और पता चलता है कि बर्क की परतों के नीचे कई प्रकार के जीव जंतु और वनस्पतियाँ निवास कर रही हैं ।

अब स्कैनिंग से ही इतना पता चल पा रहा था और इससे अधिक जानने के लिए तो उन परतों के अंदर ही जाना पड़ता, इसलिए मयन ने फैसला किया कि वे लोग अंदर जाकर देखेंगे और हो सकता है वो जिस किनेमो पत्थर को तलाश रहे है वो भी शायद वहाँ मिल जाए ।

मयन के इतना कहते ही जिरान कहता है कि थर्मल इंस्पेक्टिंग मोटर्स को यान से बाहर निकल कर उनपर सवार होकर सुरक्षित तरीके से हम सब बर्फीली परतों के अंदर जाकर सही से अपनी तलाश जारी रखते हैं । मयन कहता है ठीक है जिरान ऐसा ही करो ।

और इसलिए तरह मोटर्स आ जाती है जो रौटो बोट्स की तरह ही हर तरह के निरीक्षण कर पाने में सक्षम होती है बस ये मोटर्स विशेष माध्यमों खासतौर पर बर्फीले, पथरीले या अन्य सघन माध्यमो में जाने के लिए बनीं होती हैं जिनके आगे की तरफ एक नुकीली और धारदार ब्लेड लगी होती है जिससे एक पावरफुल मोटर जुडी होती है और ये ब्लेड कठोर से कठोर चट्टानों को काटकर रास्ता बनाने में कुशल होती हैं ।

मोटर्स के पीछे की तरफ राकेट की तरह प्रक्षेपक लगा होता है जो मोटर्स को आगे की दिशा में धकेलता है और बीच में एक सुरक्षित कवर किया हुआ स्पेस होता है जिसमें निरीक्षक बैठकर मोटर्स को कण्ट्रोल करता हुआ निरीक्षण करता हुआ आगे बढ़ता है ।

इसलिए तरह कि विशेष मोटर्स में मयन और अन्य सदस्य कुशलता पूर्वक सवार होकर सफर पर आगे बढ़ते हैं ।

आगे जाने पर पता चलता है कि वहाँ एक अलग ही प्रकार की जीव जातिया रह रही हैं जिनके विशेष प्रकार से बने शरीर उन्हें इसलिए माहौल में रह सकने के योग्य बनाते हैं.।

इन लोगों के वहाँ जाने पर किसी भी जीव ने आक्रामक प्रतिक्रिया नहीं अपनाई और शांत होकर उनकी मोटर्स को देखते हुए उनके पास से गुजर रहे थे । वहाँ का इतना शांत सुन्दर और स्थिर माहौल देखकर मयन की टीम बहुत ही आश्चर्य से भर गयी थी। अब लगातार आगे बढ़ते हुए गहराईयों में उनकी टीम चली जा रही थी, वो लोग जितना ही अंदर जा रहे थे उतने ही प्रकार के जीव जंतु नजर आ रहे थे जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखे थे ।

मयन और मिशी साथ साथ ही चल रहे थे और सभी साथी पीछे चले आ रहे थे । इन खूबसूरत नज़रों को देखकर दोनों के चेहरे पर अनजानी सी मुस्कान फूट रही थी और साथ में ये सफर और भी रोमांचक हो गया था। दोनों ही चाहते थे ये रोमांटिक सफर यूँ ही चलता रहे और बस वो दोनों एक दूसरे के साथ होने के अहसास में यूँ ही खोये जा रहे थे । दोनों के खूबसूरत साथ का गवाह बाकी के सदस्य बन चुके थे और पूरी टीम को दोनों के खूबसूरत साथ का अहसास हो चुका था ।

मयन सोच रहा था कि काश मिशी यूँ ही उसके साथ जिंदगी भर रहे और वो उसकी जिंदगी खुशियों से भर दे, कभी कोई दुख तकलीफ मिशी को छु भी न सके । और कोई तकलीफ आये भी तो मयन दीवार बनकर उसकी तकलीफों को खुद सहन कर लेगा और मिशी की मुस्कान काम ना होने देगा ।

मन ही मन इन खूबसूरत अहसासों के साथ मयन ये भी सोचता कि मिशी उसके साथ खुश होती है और वो इसलिए बात से बहुत खुश रहता है कि मयन, मिशी की खुशी का एक कारण तो बन चुका है और वो चाहता भी ऐसा ही था कि वो हमेशा उसकी खुशियों की वजह हो ।

मयन हर तरह की बात करता है लेकिन कभी दिल की बात नहीं करता क्योंकि उसे लगता है कि मिशी जो उसके बारे में अच्छे विचार रखती है कहीं वो ख़राब ना हो जाए और उनकी नयी दोस्ती में कहीं दरार न पड़ जाए, ये सोचकर वो हमेशा ही अपनी भावनाओ को खुद के मन तक ही रखता है सही समय का इंतज़ार करता रहता है जब वो उसे अपनी भावनाओ के बारे में बताएगा ।

साथ ही वो ये भी समझता था कि कोई उनकी भावनाओ को समर्थन नही देगा क्योंकि वो धरती वासी है और मिशी रायना वासी । ऐसा कभी ना हुआ था कि कोई धरती वासी का मिलन किसी रायना वासी से हुआ हो, और जो परंपरा न रही हो उसका समर्थन भला कौन ही कर सकता था,.......

ये सोचकाकर मयन मन ही मन अक्सर निराश हो जाया करता और सोचता कि भविष्य की चिंता में वर्तमान के खूबसूरत अहसास क्यों

ख़राब किये जाएँ और फिर अपने रोमांचक और रोमांटिक अहसासो में खो जाता और बिना मिशी को कहे खुद के दिल में उसका प्यार महसूस करता रहता और सोचता कि मिशी को भी उससे उतना ही प्यार है जितना कि उसको लेकिन जब तक बात न की जाय इसका प्रमाण और कोई नहीं बल्कि मिशी की आँखें दे सकती थी कि मिशी उससे कितना प्यार करती है या कितना नहीं या सिर्फ ये मयन के दिमाग का ही फितूर था जिसमें वो दिन रात खो सा गया था और मिशी के खूबसूरत अहसास को वो जिंदगी भर के लिए अपने दिल में रखना चाहता था भले ही मिशी उसकी जिंदगी में रहे या न रहे ।

मिशी भी अनायास हुई उसकी तरफ मुस्कुराती और उसके प्रति अपने कैप्टेन से अधिक दोस्त और साथी की तरह स्नेह रखती थी, इस बात से अनजान कि उसे भी मयन का साथ बहुत अच्छा लगने लगा है और आगे इस अनजान रिश्ते का भविष्य क्या होगा ,,इसलिए बात की थोड़ी चिंता उसको भी थी लेकिन अपनी भावनाओ पर नियंत्रण रख पाना मिशी को भली भांति आता था, मानो उसे ईश्वर ने ही इतना सब्र और धैर्य हृदय में दिया था जिससे वह खुद को जीवन की औपचारिकताओं के बीच नियंत्रित रख सकने में कुशल थी।

उधर मयन भावनात्मक अधिक होता है जो खुद के जीवन को मिशी के बिना रंगहीन महसूस करता है । और ये भी जनता है कि सामजिक औपचारिकतायें उन दोनों को कभी एक ना होने देंगी । वो कभी कभी

सोचता कि ईश्वर ऐसे लोगों को मिलाता ही क्यों हैं जो कभी मिल पास आकर भी एक नहीं हो सकते और दूर ना भी होना चाहें लेकिन दूर होना पड़े ।

इस तरह की मिश्रित भावनाओ को सोचते हुए मयन की टीम अब काफी गहराई तक जा पहुंची थी और बर्फ के अंदर पानी का दबाव बढ़ता ही जा रहा था लेकिन उनकी मोटर्स अभी इस दबाव को सहन कर पाने में पूरी तरह सफल थी इसलिए वो लोग आगे बढ़ते ही जा रहे थे......
लेकिन ये क्या आगे...... गोल गोल पानी के बड़े बड़े भंवर नजर आ रहे थे जिनके आस पास जो भी पहुँच रहा था सीधा उस भंवर में चला जाता था......

....

Chapter 20 - डायनीज़ों के आतंक का खात्मा

बड़े बड़े भवरों को देखकर सब लोग सतर्क हो जाते हैं और मयन से पूछते हैं क्या वो रुक जाएँ क्योंकि आगे खतरा है..... तब मयन कहता है कि अगर वो लोग उसमे नहीं जायेगे तो हम उनके अंदर के माहौल से अनजान ही रह जायेगे और रही सुरक्षा की बात तो हमारी मोटर्स हर तरह की उथल पुथल और टक्करों को झेल पाने में सक्षम हैं.... इसलिए हमें आगे ही बढ़ना होगा

मयन का निर्देश मिलते ही सब लोग आगे बढ़ते हैं और भंवर के नजदीक जा पहुँचते हैं ।

मोटर्स पर नियंत्रण सँभालते हुए वो सब उस बड़े भंवर में चले जाते हैं और गोल गोल घूमते हुए एक अलग ही जगह सब लोग निकलते हैं फिर अपनी मोटर्स को सँभालते हुए एक सुरक्षित जगह की तरफ बढ़ते हैं जहां एक बहुत तेज़ रोशनी की चमक आ रही थी, सभी लोग उधर की ओर चले जाते हैं ओर देखते हैं कि वहां एक बड़ा सा दैत्याकार जंतु है जिसके पास एक मणि है और वो चमक उसी मणि से आ रही थी।

मयन सभी को सतर्क हो जाने को कहता है और रुकने को भी..... इस तरह रूककर कुछ देर सोचने के बाद वह कहता है कि जिस दैत्य की तलाश में हम लोग थे, ये वही हो सकता है जिसके पास किनेमो पत्थर

भी हो सकता है...। मयन उस दैत्य के पास जाता है जिसको देखकर वह दैत्य अजीब सी आवाज के साथ उसको रोकने का प्रयास करता है और कहता है कि वो लोग कौन हैं और कहाँ से आये हैं ??

मयन अपना नाम बताते हुए अपनी टीम का परिचय देता है और कहता है कि हम लोग खतरनाक दामोरो के भयानक युद्ध को रोकने के लिए किनेमो पत्थर खोजते हुए यहां तक पहुंचे है ।

मयन ने ये भी बताया कि वह एक पृथ्वी वासी है और बाकी लोग रायना वासी हैं और सभी लोग डायनीज़ों के खिलाफ लड़ रहे हैं पर उसकी कमजोरी सिर्फ किनेमो पत्थर ही है ।

दैत्य - हाँ वो कीमती पत्थर मेरे ही पास है, लेकिन मैं वो तुम्हे क्यों दूँ?

मयन - मुझे जहां तक पता चला है कि आपका ग्रह भी पहले विकसित हुआ करता था और यहां बहुत संसाधन उपलब्ध भी थे जिनको दामोरो लूट ले गया और ग्रह को बर्बाद करके चला गया, और अब यही काम वो धरती पर कर रहा है जिसे रोकना अति आवश्यक है । इसलिए आप हमारी लड़ाई में सहयोग करें!

दैत्य - मयन, तुम बहुत बहादुर सिपाही हो क्योंकि यहाँ तक पहुंचना बहुत साहस और बुद्धिमानी का काम है और तुम्हारे इरादे भी परोपकार के लिए हैं इसलिए मै तुमसे खुश हूं और इसलिए मणि में लगे किनेमो पत्थर को तुम्हे दे रहा हूं ,,, परन्तु ध्यान रहे !!

मयन - किस बात का ध्यान रखना है??

दैत्य - ये पत्थर बहुत ही मायावी है और खतरनाक भी... अगर ये दुश्मन के हाथ लग गया तो फिर उन्हें ब्रह्माण्ड की कोई ताक़त हरा न सकेगी और सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड पर ही डायनीज़ों का अधिकार हो जाएगा... इसलिए इसे संभालकर रखना और प्रयोग भी सावधानी से ही करना । दामोरो के अभियान का अंत करके इसलिए पत्थर को मुझे सकुशल वापस कर जाना ताकि इसे फिर से सुरक्षित किया जा सके ।

मयन - बिलकुल, ऐसा ही होगा ।

दैत्य ने मयन को मुस्कुराते हुए किनेमो पत्थर सौंप दिया, जिसे लेकर पूरी टीम उत्साहित महसूस कर रही थी।

दैत्य से विदा लेकर मयन की टीम अपनी मोटर्स के साथ दैत्य के बताये रास्ते से ग्रह की सतह पर सुरक्षित पहुँच जाते हैं जहां उनका यान उनका इंतज़ार कर रहा था । अब बिना कोई देरी किये वो लोग यान पर सवार होकर रायना की तरफ निकल पड़ते हैं और रास्ते में मयन और मिशी अति प्रसन्न महसूस करते हैं ।

रायना पहुंचकर गार्डियन्स ऑफ़ द यूनिवर्स की सफलता को लेकर बहुत ही प्रशंसा की जाती है और दामोरो से अंतिम लड़ाई लड़ने का रोडमैप भी तैयार किया जाता है ।

अब मिशन डिजिनाकस 2 की तैयारी शुरू कर दी जाती है क्योंकि ये लड़ाई बस एक औपचारिकता मात्र साबित होने वाली थी क्योंकि मयन के पास अब किनेमो पत्थर जो था जिसके अचूक वार से दामोरो का बच पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी था.।

मिराकशी कमांड से हरी झंडी मिलते ही मयन अपनी फ़ौज के साथ धरती की तरफ निकल पड़ता है ।

वहाँ पहले से ही तैयार दामोरो की फ़ौज मिराकशियों को देखकर उन पर टूट पड़ती है लेकिन मयन कुशलता पूर्वक सबसे लड़ते हुए सीधे दामोरो के यान के सामने जा पहुँचता है और किनेमो पत्थर का उपयोग करके उससे लेज़र की बौछार शुरू कर देता है और ये लड़ाई दामोरो के लिए ताबूत की अंतिम कील साबित होती है और दामोरो का यान नष्ट होकर नीचे गिर जाता है,, तभी मौका पाकर दामोरो वहाँ से भाग खड़ा होता है और इसलिए तरह डायनीज़ों के आतंक का खात्मा करके मयन और सभी धरतीवासी, मिराकशी, रायनावासी और अन्य ग्रह वासी जो डायनीज़ो से आहत थे,, सब प्रसन्न हो जाते हैं और मयन की बहादुरी पर गौरव भी करते हैं ।

अब समय था एक बार रायना और मिराकश जाकर अपनी सफलता का सम्बोधन करने का,, इसलिए मयन होने काफ़िले के साथ रायना पहुँचता है और डायनीज़ो के आतंक के खात्मे की दास्ताँ अपनी ज़ुबांनी सबको सुनाता है । साथ ही किनेमो पत्थर को दैत्य के हाथ में सुरक्षित लौटाकर आता है। दैत्य भी मयन की प्रशंसा करता है ।

अब सभी धतीवासियों को रायना से धरती के लिए भेजना शुरू कर दिया जाता है और मयन भी ये सोचकर दुखी हो जाता है कि उसे जिरान मिशी और अन्य दोस्तों को छोड़कर धरती वापस जाना होगा । उसके साथ उसके मम्मी पापा और परिवार वाले भी जाने को तैयार थे जिनको मयन की सफलता पर बहुत गर्व हो रहा था ।

पर मयन के मन में मिशी को लेकर एक टीस खटक रही थी कि उसके प्रेम के बारे में अब तक उसने मिशी को नहीं बताया था। और उधर मिशी भी उसके जाने से उदास थी पर कोई क्या ही कर सकता था ।

मयन मिशी को छोड़कर जाने का इक्षुक नहीं था क्योंकि वह उसे अटूट प्रेम जो करता था और जब उसे रहा नहीं गया तब उसने अपने परिवार को अपने प्रेम के बारे में बता दिया कि वह मिशी को अपना जीवन साथी बनाना चाहता है.।

जैसे ही उसके परिवार वालों को उसके प्रेम का पता चला तो सबने उसे समझाने का बहुत प्रयत्न किया कि यह नहीं हो सकता क्योंकि परम्परा नुसार ये गलत है । आखिर मयन एक धरतीवासी था जबकि मिशी रायनावासी,,, इसलिए उन दोनों की शादी कैसे हो सकती है और मयन के परिवार ने उससे पूछा कि क्या मिशी को पता है उसके प्रेम के बारे में तो उसने कहा कि उसको ऐसा महसूस होता है कि वो भी उसे मन ही मन प्रेम करती है लेकिन कभी एक दूसरे से कहा नहीं है ..... तब मयन के परिवार वालों ने मिशी से भी इस बारे में पूछा तो उसने बताया कि उसने कभी मयन का जीवन साथी बनने के बारे में नही सोचा था क्योंकि ये हो ही नहीं सकता है ।

तब मयन के परिवार ने उसे समझाया कि मिशी कितनी समझदार है और तुम भावुक हुए जा रहे हो । ये अपने दिमाग से ख्याल निकालना ही उचित होगा क्योंकि रायनावासी भी तुम दोनों के प्रेम को स्वीकार नहीं करेंगे और मिशी का जीवनसाथी एक रायनावासी ही बन सकता है इसलिए तुम्हे उसको अपने ख्यालों से निकालना ही उचित होगा ।

....

Chapter 21 - दोनों मुस्कुराने लगते हैं

आज मन बहुत परेशान है , और दिल भारी सा हो गया है, लगता है धड़कना ही बंद न कर दे कहीं लेकिन किसी तरह हिम्मत बांधी हुयी है, ये सोचकर कि ये चिंता भरे पल कभी तो गुज़रेंगे । पर जानता हूं कि जो नहीं हो सकता, वो कैसे होगा और कोई क्यों करेगा वो भी सिर्फ मेरे अधीर होने की वजह से । कभी कभी सोचता हूं कि वो कौन से पल होते हैं जिनमे कोई पसंद आ जाता है और कब उससे प्यार हो जाता है। समय गुजरता है और प्यार परवान चढ़ता जाता है लेकिन दोनों को ये पता नहीं होता कि आखिर आगे क्या होना है । एक दूसरे को देखे बिना लगता है जैसे पूरी दुनिया ही व्यर्थ है । क्यों कोई दिल की गहराईयों में उतर जाता है जिसे एक दिन निकालने के लिए मशक्कत करनी पडती है

। कितनी मुश्किलों से कोई किसी को मिलता है और जब कोई मन का मीत मिल भी जाता है तो उसे अपनी जिंदगी से भुलाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है और संघर्ष भी किससे - खुद से ! मन और दिल अपने आप में ही लड़ते रहते हैं, कभी ये सही लगता है तो कभी कुछ और लेकिन किसी भी विचार से किसी निष्कर्ष पर नहीं पंहुचा जा सकता है । ये ऐसी अंतहीन सफर है जिसमें एक बार चलना शुरू करने के बाद चलते रहना ही परिणाम है, बिना कोई मंजिल मिले,,बहती नदी में सिर्फ बहते रहने के जैसे, किनारा तक नसीब नहीं होता और मुसाफ़िर है कि अपनी उम्मीद नहीं छोड़ता और सोचता रहता है कि कहीं कोई ऐसी तरक़ीब होगी या कोई उपाय जिससे मंजिल मिल सके ।

मुसाफ़िर को जो रास्ता नजर आता है वह उसी दिशा में चलने लगता है, कोई भी जो उसके सफर में उम्मीद बनकर आता है और वो जो राह दिखाता है वह उसी दिशा में चला जाता है फिर चाहे वह सही हो या गलत इससे फर्क ही नहीं पड़ता ।

मयन को जब अपने मन के अंतःभावों का पता चलता है तो उसकी दुनिया जैसे उलट पलट हो जाती है । मिशी जो उससे 5 साल बड़ी है, उसे उसमे अपने लाइफ पार्टनर बनाने का सपना ऐसा जागृत होता है कि ये सपना ख़त्म होने के नाम पर मयन का दिल मानो बैठ सा जाता है ।

मिशी जो उसको एक प्रतिभाशाली और प्रभावशाली व्यक्ति के तौर पर पसंद करती है लेकिन मयन को मिशी जैसे शांत, मृदुल और मासूम स्वभाव के साथ साहसी और सुन्दर व्यक्तित्व की लड़की नजर आती है जो मयन के सपनों तक में उसकी संगिनी बन चुकी है । मयन आज तक उसे अपने मन की बात न कह सका क्योंकि वो यह अच्छे से जानता था कि एक न एक दिन वो उससे दूर हो जायेगी और रायना के किसी सफल व्यक्ति से विवाह कर अपनी जिंदगी में खुश रहेगी । मयन जो एक बार अपने मन के अंतरद्वन्द्व में फस चुका था जब वो दामोरो से हारा था लेकिन अब फिर से मन की न सुलझ सकने वाली पहेलियों में उसका मन उलझ रहा था, इस बात से अनजान कि फिर से उसके डिप्रेशन का दूसरा एपिसोड शुरू हो चुका था और हो भी क्यों न - मयन जो एक ऐसा लड़का है जो न तो किसी को खुद की वजह से परेशान देख सकता है और न ही किसी को परेशान कर सकता है और खुद की भावनाओ पर तो उसका नियंत्रण न रहा इसी वजह से बस मायूस सा रहता है, भूख चैन, नींद सब खो चुके हैं और इस बार एपिसोड थोड़ा ज्यादा भावुक और गहरा मालूम पड़ता है ।

कभी कभी मयन सोचता है कि अपने प्यार को पा लेना ही सही है और कभी कभी लगता है जिस तरह से मिशी उसके प्रति मृदुल व्यवहार रखती है उसके क्या मायने हैं ये सोचता है और कभी कभी लगता है कि मिशी भी उससे उतना ही प्यार करती है तब उसका ये फर्ज़ बनता है कि उसे मिशी का साथ जिंदगी भर निभाना चाहिए और खुद की ख़ुशी को भी वरीयता देना चाहिए, फिर कभी लगता है कि परिवार समाज देश

भी बहुत महत्वपूर्ण अंग हैं जिसको नजरअंदाज़ करना भी अपने आप में चिंतनीय है और जब जब मयन सामाजिकता के बारे ख्याल करता है तब तब उसका दिल सा बैठ जाता है और मिशी के चेहरे को खुद से दूर जाता देखता है... असहाय सा..... आँखों में आंसू लिए.... जोर से चिल्लाकर मिशी को रोक लेने का मन करता है लेकिन चिल्ला नहीं पाता बस अपने दिल पर पत्थर रखकर उसे मुस्कुराते हुए खुद से दूर जाते हुए देखता रहता है और मन ही मन ये सोचता है कि काश मिशी भी धरती वासी होती लेकिन उसको अच्छे से पता था कि मिशी के परिवार वाले या उसके खुद के परिवार वाले उनकी प्रेम कहानी या प्रेम विवाह को कभी मान्यता नहीं देंगे । पर मयन है कि फिर भी अपनी दुनिया में गुम रहता है और हर पल मिशी को अपनी संगिनी के रूप में महसूस करता है और फिर मायूस हो जाता है.............. फिर सपनों में खो जाता है और फिर बिछड़ने के ग़म में मायूस हो जाता........... और ये क्रम कई दिनों तक चलता रहता है और फिर एक दिन ऐसा आता है जब एक स्थानीय रायनीज़ फंक्शन के दौरान उसके ऊपर सामाजिकता हावी हो जाती है और वो स्वयं को दोषी मान बैठता है कि उसने मिशी के बारे में सपने देखकर सामाजिक समरसता भंग की है जो चिंतनीय विषय है और अब वो मन ही मन मिशी को खुद के मन से भूलने का असफल प्रयास करने लगता है और अंततः घोर चिंता और निराशा में खो जाता है जो डिप्रेशन की गंभीर अवस्था की शुरुआत थी जिसका पता अभी मयन को नहीं चला क्योंकि वो बस उहा-पोह की स्थिति में खोया रहता है बस खोया ही रहता है ।

अब वो दिन भी आ जाता है जब मयन को अपने परिवार के साथ धरती वापस आना था...मिशी को उसकी बिगड़ती हालत के बारे में पता था..... और वह भी उसे प्रेम करती थी लेकिन समाज और परिवार के सामने खुद की भावनाओ को गलत समझती है और मयन को बताती है कि उसने अपने परिवार को उनके बारे में बता दिया है ।

रायना वासियों को जब दोनों के प्रेम के बारे में पता चला तो हर कोई मौन ही था... सबको पता था कि ये हो नहीं सकता कि मयन और मिशी एक हो सकें..... सब तरफ सन्नाटा सा पसर गया था । लेकिन कोई करे भी तो क्या .?

दोनों के लिए मान्यताओं और पारम्परिक रिवाजों को नज़र अंदाज़ कैसे ही किया जा सकता था । इसलिए किसी ने दोनों के विवाह के लिए हामी नहीं भरी ।

आखिर में जब मयन अपने परिवार के साथ धरती जाने लगा तो सब लोग उसे भावभीनी विदाई देने आये जिनमे जिरान और मिशी भी थे .। जिरान को मयन और मिशी के मन के असीम कष्ट के बारे में पता था लेकिन वह भी कुछ न कर सकता था इसलिए नम आँखों से मयन को विदाई देता है ।

उधर मयन भी अपनी आँखों में आंसुओं का समंदर लिए यान की तरफ बढ़ता है और मिशी दौड़कर उससे लिपट जाती है..... सब लोग उन दोनों के अटूट प्रेम देखकर हतप्रभ थे और सबका दिल पसीजने लगता है।

मयन के यान को रोक दिया जाता है और तब रायना के प्रमुख जी आते हैं और ये एलान करते हैं कि जो अब तक ना हुआ.... वो आज होगा...मयन और मिशी को अपना जीवन साथी चुनने का अधिकार है.... वो दोनों चाहे तो धरती पर जाकर रहे या रायना पर... या किसी अन्य ग्रह पर.. ये उनकी स्वतंत्रता है क्योंकि दोनों ही ब्रह्माण्ड में दुश्मनों से लड़ने के लिए हमेशा तत्पर हैं और एक ही टीम के सदस्य भी हैं.... इसलिए उनका साथ रहना ही उचित है ।

इतना सुनते ही मयन और मिशी के चेहरे पर मुस्कान फूट पडती है । दोनों को खुश देखकर सब लोग की आँखों में खुशी के आँसू आ जाते हैं ।

अब मिशी भी मयन के परिवार का हिस्सा बन चुकी थी। मयन, मिशी और परिवार सब साथ में धरती के लिए निकल जाते हैं ।

....the end